

Der Prophet Jona

Erläuterungen

In diesem Buch werden folgende Abkürzungen verwendet:

WV = Nummer des Wortes im Vers

WK = Nummer des Wortes im Kapitel

WB = Nummer des Wortes im Buch

ABV = Nummer des Anfangsbuchstabens des Wortes im Vers

ABK = Nummer des Anfangsbuchstabens des Wortes im Kapitel

ABB = Nummer des Anfangsbuchstabens des Wortes im Buch

AnzB = Anzahl der Buchstaben des Wortes

TW = Totalwert des Wortes

Am Ende eines Verses finden sich sieben Zahlen,
die folgende Bedeutung haben (von links nach rechts):

1. Nummer des Verses im Buch
2. Gesamtzahl der Buchstaben im Vers
3. Gesamtzahl der Buchstaben (bis einschließlich dieses Verses) im Kapitel
4. Gesamtzahl der Buchstaben (bis einschließlich dieses Verses) im Buch
5. Summe der Totalwerte des Verses
6. Summe der Totalwerte (bis einschließlich dieses Verses) im Kapitel
7. Summe der Totalwerte (bis einschließlich dieses Verses) im Buch

– 1.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|----|-----|-----|-----|------|-----|-------------|------------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 1. | 1. | 1. | 1. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und (es) geschah/und er (=es) erging |
| 2. | 2. | 2. | 5. | 5. | 5. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר | DBR | das Wort |
| 3. | 3. | 3. | 8. | 8. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwes/(von) Jahwe |
| 4. | 4. | 4. | 12. | 12. | 12. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu/an |
| 5. | 5. | 5. | 14. | 14. | 14. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה | JWNH | Jona///<Taube> |
| 6. | 6. | 6. | 18. | 18. | 18. | 2 | 52 | 2_50 | בן | BN | dem Sohn |
| 7. | 7. | 7. | 20. | 20. | 20. | 4 | 451 | 1_40_400_10 | אמתי | AMTJ | Amittai(s)///<wahrhaftig> |
| 8. | 8. | 8. | 24. | 24. | 24. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | also/zu sagen |

Ende des Verses 1.1

Verse: 1, Buchstaben: 27, 27, 27, Totalwerte: 1139, 1139, 1139

Und das Wort Jahwes geschah zu Jona, dem Sohne Amittais, also:

– 1.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|-----|---------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 9. | 9. | 28. | 28. | 1. | 3 | 146 | 100_6_40 | קום | QWM | mache dich auf/erheb dich |
| 2. | 10. | 10. | 31. | 31. | 4. | 2 | 50 | 30_20 | לכ | LK | geh |
| 3. | 11. | 11. | 33. | 33. | 6. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nach |
| 4. | 12. | 12. | 35. | 35. | 8. | 5 | 121 | 50_10_50_6_5 | נינה | NJNWH | Ninive/// <Wohnung> |
| 5. | 13. | 13. | 40. | 40. | 13. | 4 | 285 | 5_70_10_200 | העיר | HaJR | der Stadt/(in) die Stadt |
| 6. | 14. | 14. | 44. | 44. | 17. | 6 | 53 | 5_3_4_6_30_5 | הנדולה | HGDWLH | großen/die große |
| 7. | 15. | 15. | 50. | 50. | 23. | 4 | 307 | 6_100_200_1 | וקרא | WQRA | und predige/und rufe |
| 8. | 16. | 16. | 54. | 54. | 27. | 4 | 115 | 70_30_10_5 | עליה | aLJH | wider sie |
| 9. | 17. | 17. | 58. | 58. | 31. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 10. | 18. | 18. | 60. | 60. | 33. | 4 | 505 | 70_30_400_5 | עלתה | aLTH | heraufgestiegen ist/sie (=es) stieg auf |
| 11. | 19. | 19. | 64. | 64. | 37. | 4 | 710 | 200_70_400_40 | רעתמ | RaTM | ihre Bosheit |
| 12. | 20. | 20. | 68. | 68. | 41. | 4 | 170 | 30_80_50_10 | לפני | LPNJ | vor mich |

Ende des Verses 1.2

Verse: 2, Buchstaben: 44, 71, 71, Totalwerte: 2523, 3662, 3662

Mache dich auf, geh nach Ninive, der großen Stadt, und predige wider sie; denn ihre Bosheit ist vor mich heraufgestiegen.

– 1.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|-----|------|------|----------------------|---------------|-----------------------------|---|
| 1. | 21. | 21. | 72. | 72. | 1. | 4 | 156 | 6_10_100_40 | ויקמ WJQM | aber (es) | machte sich auf/und er (=es) stand auf |
| 2. | 22. | 22. | 76. | 76. | 5. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה JWNH | Jona | |
| 3. | 23. | 23. | 80. | 80. | 9. | 4 | 240 | 30_2_200_8 | לברח LBRC | (um) | zu fliehen |
| 4. | 24. | 24. | 84. | 84. | 13. | 6 | 1215 | 400_200_300_10_300_5 | תרשישה TRSJSH | nach Tarsis/zu | Tarschisch //<befestigter Außenposten> |
| 5. | 25. | 25. | 90. | 90. | 19. | 5 | 210 | 40_30_80_50_10 | מלפני MLPNJ | (hin)weg | vom Angesicht |
| 6. | 26. | 26. | 95. | 95. | 24. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |
| 7. | 27. | 27. | 99. | 99. | 28. | 4 | 220 | 6_10_200_4 | וירד WJRD | und er ging | hinab |
| 8. | 28. | 28. | 103. | 103. | 32. | 3 | 96 | 10_80_6 | יפו JPW | nach Japho/(nach) | Jafo//<lieblich> |
| 9. | 29. | 29. | 106. | 106. | 35. | 5 | 147 | 6_10_40_90_1 | וימצא WJMBA | und (er) | fand |
| 10. | 30. | 30. | 111. | 111. | 40. | 4 | 66 | 1_50_10_5 | אניה ANJH | ein Schiff | |
| 11. | 31. | 31. | 115. | 115. | 44. | 3 | 8 | 2_1_5 | באה BAH | das fuhr/gehend(es) | |
| 12. | 32. | 32. | 118. | 118. | 47. | 5 | 1210 | 400_200_300_10_300 | תרשיש TRSJS | nach Tarsis/(nach) | Tarschisch |
| 13. | 33. | 33. | 123. | 123. | 52. | 4 | 466 | 6_10_400_50 | ויתן WJTN | und er gab | |
| 14. | 34. | 34. | 127. | 127. | 56. | 4 | 525 | 300_20_200_5 | שכרה SKRH | sein Fährgeld/dessen | Fahrpreis |
| 15. | 35. | 35. | 131. | 131. | 60. | 4 | 220 | 6_10_200_4 | וירד WJRD | und stieg hinab/und er ging | hinab |
| 16. | 36. | 36. | 135. | 135. | 64. | 2 | 7 | 2_5 | בה BH | in dasselbe/in sie (=es) | |
| 17. | 37. | 37. | 137. | 137. | 66. | 4 | 39 | 30_2_6_1 | לבוא LBWA | um zu fahren/(um) | zu kommen |
| 18. | 38. | 38. | 141. | 141. | 70. | 4 | 155 | 70_40_5_40 | עמהם aMHM | mit ihnen | |
| 19. | 39. | 39. | 145. | 145. | 74. | 6 | 1215 | 400_200_300_10_300_5 | תרשישה TRSJSH | nach Tarsis/(nach) | Tarschisch |
| 20. | 40. | 40. | 151. | 151. | 80. | 5 | 210 | 40_30_80_50_10 | מלפני MLPNJ | (hin)weg | vom Angesicht |
| 21. | 41. | 41. | 156. | 156. | 85. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |

Ende des Verses 1.3

Verse: 3, Buchstaben: 88, 159, 159, Totalwerte: 6528, 10190, 10190

Aber Jona machte sich auf, um von dem Angesicht Jahwes hinweg nach Tarsis zu fliehen; und er ging nach Japho hinab und fand ein Schiff, das nach Tarsis fuhr; und er gab sein Fährgeld und stieg in dasselbe hinab, um mit ihnen nach Tarsis zu fahren von dem Angesicht Jahwes hinweg.

– 1.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|-----------------------------------|
| 1. | 42. | 42. | 160. | 160. | 1. | 5 | 32 | 6_10_5_6_5 | ויהוה | WJHWH | da Jahwe/doch Jahwe//und Jahwe |
| 2. | 43. | 43. | 165. | 165. | 6. | 4 | 54 | 5_9_10_30 | הטיל | HtJL | (er) warf |
| 3. | 44. | 44. | 169. | 169. | 10. | 3 | 214 | 200_6_8 | רוח | RWC | (einen) Wind |
| 4. | 45. | 45. | 172. | 172. | 13. | 5 | 48 | 3_4_6_30_5 | גדולה | GDWLH | heftigen/große(n) |
| 5. | 46. | 46. | 177. | 177. | 18. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | auf/gegen |
| 6. | 47. | 47. | 179. | 179. | 20. | 3 | 55 | 5_10_40 | הים | HJM | das Meer |
| 7. | 48. | 48. | 182. | 182. | 23. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und es entstand/und er (=es) ward |
| 8. | 49. | 49. | 186. | 186. | 27. | 3 | 330 | 60_70_200 | סער | saR | (ein) Sturm |
| 9. | 50. | 50. | 189. | 189. | 30. | 4 | 43 | 3_4_6_30 | גדול | GDWL | großer |
| 10. | 51. | 51. | 193. | 193. | 34. | 3 | 52 | 2_10_40 | בים | BJM | auf dem Meer |
| 11. | 52. | 52. | 196. | 196. | 37. | 6 | 77 | 6_5_1_50_10_5 | והאניה | WHANJH | so dass das Schiff/und das Schiff |
| 12. | 53. | 53. | 202. | 202. | 43. | 4 | 315 | 8_300_2_5 | חשבה | CSBH | drohte/sie (=es) drohte |
| 13. | 54. | 54. | 206. | 206. | 47. | 5 | 537 | 30_5_300_2_200 | להשבר | LHSBR | zu (zer)brechen |

Ende des Verses 1.4

Verse: 4, Buchstaben: 51, 210, 210, Totalwerte: 1819, 12009, 12009

Da warf Jahwe einen heftigen Wind auf das Meer, und es entstand ein großer Sturm auf dem Meere, so daß das Schiff zu zerbrechen drohte.

– 1.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 55. | 55. | 211. | 211. | 1. | 6 | 233 | 6_10_10_200_1_6 | וייראו | WJJRAW | und sie (=es) fürchten sich |
| 2. | 56. | 56. | 217. | 217. | 7. | 6 | 133 | 5_40_30_8_10_40 | המלהימ | HMLCJM | die Seeleute |
| 3. | 57. | 57. | 223. | 223. | 13. | 6 | 199 | 6_10_7_70_100_6 | ויצעקו | WJZaQW | und (sie) schrien |
| 4. | 58. | 58. | 229. | 229. | 19. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | ein jeder/Mann |
| 5. | 59. | 59. | 232. | 232. | 22. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 6. | 60. | 60. | 234. | 234. | 24. | 5 | 52 | 1_30_5_10_6 | אלהיו | ALHJW | seinem Gott/seinen Göttern |
| 7. | 61. | 61. | 239. | 239. | 29. | 5 | 61 | 6_10_9_30_6 | ויטלו | WJtLW | und sie warfen |
| 8. | 62. | 62. | 244. | 244. | 34. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 9. | 63. | 63. | 246. | 246. | 36. | 5 | 105 | 5_20_30_10_40 | הכלימ | HKLJM | die Geräte |
| 10. | 64. | 64. | 251. | 251. | 41. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | welche |
| 11. | 65. | 65. | 254. | 254. | 44. | 5 | 68 | 2_1_50_10_5 | באניה | BANJH | in dem Schiff (waren) |
| 12. | 66. | 66. | 259. | 259. | 49. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | in |
| 13. | 67. | 67. | 261. | 261. | 51. | 3 | 55 | 5_10_40 | הימ | HJM | das Meer |
| 14. | 68. | 68. | 264. | 264. | 54. | 4 | 165 | 30_5_100_30 | להקל | LHQL | (um sich) zu erleichtern |
| 15. | 69. | 69. | 268. | 268. | 58. | 6 | 195 | 40_70_30_10_5_40 | מעליהמ | MaLJHM | /um sie herum |
| 16. | 70. | 70. | 274. | 274. | 64. | 5 | 77 | 6_10_6_50_5 | ויונה | WJWNH | Jona aber/und Jona |
| 17. | 71. | 71. | 279. | 279. | 69. | 3 | 214 | 10_200_4 | ירד | JRD | war hinabgestiegen/(er) war herabgestiegen |
| 18. | 72. | 72. | 282. | 282. | 72. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | in/zu |
| 19. | 73. | 73. | 284. | 284. | 74. | 5 | 640 | 10_200_20_400_10 | ירכתי | JRKTJ | den unteren Raum/dem entferntesten Teilen |
| 20. | 74. | 74. | 289. | 289. | 79. | 6 | 210 | 5_60_80_10_50_5 | הספינה | HsPJNH | (des) Schiff(e)s |
| 21. | 75. | 75. | 295. | 295. | 85. | 5 | 338 | 6_10_300_20_2 | וישכב | WJSKB | und hatte sich hingelegt/und er hatte sich niedergelegt |
| 22. | 76. | 76. | 300. | 300. | 90. | 5 | 260 | 6_10_200_4_40 | וירדם | WJRDM | und war in tiefen Schlaf gesunken/und (er) schlief tief |

Ende des Verses 1.5

Verse: 5, Buchstaben: 94, 304, 304, Totalwerte: 4311, 16320, 16320

Und die Seeleute fürchteten sich und schriegen, ein jeder zu seinem Gott; und sie warfen die Geräte, welche im Schiffe waren, ins Meer, um sich zu erleichtern. Jona aber war in den unteren Schiffsraum hinabgestiegen, und hatte sich hingelegt und war in tiefen Schlaf gesunken.

– 1.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|-----|------|------|-----|------|------|-------------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 77. | 77. | 305. | 305. | 1. | 5 | 318 | 6_10_100_200_2 | ויקרב | WJQRB | und (es) trat hin/und er (=es) trat heran |
| 2. | 78. | 78. | 310. | 310. | 6. | 4 | 47 | 1_30_10_6 | אליו | ALJW | zu ihm |
| 3. | 79. | 79. | 314. | 314. | 10. | 2 | 202 | 200_2 | רב | RB | der Ober/der Oberste |
| 4. | 80. | 80. | 316. | 316. | 12. | 4 | 45 | 5_8_2_30 | החבל | HCBL | Steuermann/der Matrose(n) |
| 5. | 81. | 81. | 320. | 320. | 16. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und (er) sprach |
| 6. | 82. | 82. | 325. | 325. | 21. | 2 | 36 | 30_6 | לו | LW | zu ihm |
| 7. | 83. | 83. | 327. | 327. | 23. | 2 | 45 | 40_5 | מה | MH | was (ist) |
| 8. | 84. | 84. | 329. | 329. | 25. | 2 | 50 | 30_20 | לכ | LK | mit dir |
| 9. | 85. | 85. | 331. | 331. | 27. | 4 | 294 | 50_200_4_40 | נרדם | NRDM | du Schläfer/Schlafender |
| 10. | 86. | 86. | 335. | 335. | 31. | 3 | 146 | 100_6_40 | קום | QWM | stehe auf |
| 11. | 87. | 87. | 338. | 338. | 34. | 3 | 301 | 100_200_1 | קרא | QRA | rufe |
| 12. | 88. | 88. | 341. | 341. | 37. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | an/zu |
| 13. | 89. | 89. | 343. | 343. | 39. | 5 | 66 | 1_30_5_10_20 | אלהיך | ALHJK | deinem Gott |
| 14. | 90. | 90. | 348. | 348. | 44. | 4 | 47 | 1_6_30_10 | אולי | AWLJ | vielleicht |
| 15. | 91. | 91. | 352. | 352. | 48. | 5 | 1180 | 10_400_70_300_400 | יתעשה | JTaST | wird gedenken/er (=es) gedenkt |
| 16. | 92. | 92. | 357. | 357. | 53. | 6 | 91 | 5_1_30_5_10_40 | האלהים | HALHJM | der Gott |
| 17. | 93. | 93. | 363. | 363. | 59. | 3 | 86 | 30_50_6 | לנו | LNW | unser |
| 18. | 94. | 94. | 366. | 366. | 62. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | dass nicht |
| 19. | 95. | 95. | 369. | 369. | 65. | 4 | 57 | 50_1_2_4 | נאבד | NABD | wir umkommen/wir untergehen |

Ende des Verses 1.6

Verse: 6, Buchstaben: 68, 372, 372, Totalwerte: 3336, 19656, 19656

Und der Obersteuermann trat zu ihm hin und sprach zu ihm: Was ist mit dir, du Schläfer? Stehe auf, rufe deinen Gott an! Vielleicht wird der Gott unser gedenken, daß wir nicht umkommen.

– 1.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 96. | 96. | 373. | 373. | 1. | 6 | 263 | 6_10_1_40_200_6 | ויאמרו | WJAMRW | und sie spachen/und sie sagten |
| 2. | 97. | 97. | 379. | 379. | 7. | 3 | 311 | 1_10_300 | איש | AJS | einer |
| 3. | 98. | 98. | 382. | 382. | 10. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu(m) |
| 4. | 99. | 99. | 384. | 384. | 12. | 4 | 281 | 200_70_5_6 | רעהו | RaHW | anderen/seinem Gefährten |
| 5. | 100. | 100. | 388. | 388. | 16. | 3 | 56 | 30_20_6 | לכו | LKW | kommt |
| 6. | 101. | 101. | 391. | 391. | 19. | 6 | 181 | 6_50_80_10_30_5 | ונפילה | WNPJLH | und lasst uns werfen |
| 7. | 102. | 102. | 397. | 397. | 25. | 6 | 645 | 3_6_200_30_6_400 | גורלות | GWRLWT | Lose |
| 8. | 103. | 103. | 403. | 403. | 31. | 5 | 135 | 6_50_4_70_5 | ונדעה | WNDaH | damit wir erfahren/und lasst uns erkennen |
| 9. | 104. | 104. | 408. | 408. | 36. | 5 | 382 | 2_300_30_40_10 | בשלמי | BSLMJ | um wessentwillen/weswegen |
| 10. | 105. | 105. | 413. | 413. | 41. | 4 | 280 | 5_200_70_5 | הרעה | HRaH | das Unglück/das Unheil |
| 11. | 106. | 106. | 417. | 417. | 45. | 4 | 413 | 5_7_1_400 | הזאת | HZAT | diese(s) (da) |
| 12. | 107. | 107. | 421. | 421. | 49. | 3 | 86 | 30_50_6 | לנו | LNW | uns trifft/(stößt) zu uns |
| 13. | 108. | 108. | 424. | 424. | 52. | 5 | 132 | 6_10_80_30_6 | ויפלו | WJPLW | und sie warfen |
| 14. | 109. | 109. | 429. | 429. | 57. | 6 | 645 | 3_6_200_30_6_400 | גורלות | GWRLWT | Lose |
| 15. | 110. | 110. | 435. | 435. | 63. | 4 | 126 | 6_10_80_30 | ויפל | WJPL | und er (=es) fiel |
| 16. | 111. | 111. | 439. | 439. | 67. | 5 | 244 | 5_3_6_200_30 | הגורל | HGWRL | das Los |
| 17. | 112. | 112. | 444. | 444. | 72. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | auf |
| 18. | 113. | 113. | 446. | 446. | 74. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה | JWNH | Jona |

Ende des Verses 1.7

Verse: 7, Buchstaben: 77, 449, 449, Totalwerte: 4382, 24038, 24038

Und sie sprachen einer zum anderen: Kommt und laßt uns Lose werfen, damit wir erfahren, um wessentwillen dieses Unglück uns trifft. Und sie warfen Lose, und das Los fiel auf Jona.

– 1.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|--------------------------------|
| 1. | 114. | 114. | 450. | 450. | 1. | 6 | 263 | 6_10_1_40_200_6 | ויאמרו | WJAMRW | da sprachen sie/und sie sagten |
| 2. | 115. | 115. | 456. | 456. | 7. | 4 | 47 | 1_30_10_6 | אליו | ALJW | zu ihm |
| 3. | 116. | 116. | 460. | 460. | 11. | 5 | 27 | 5_3_10_4_5 | הנידה | HGJDH | tue kund |
| 4. | 117. | 117. | 465. | 465. | 16. | 2 | 51 | 50_1 | וא | NA | doch |
| 5. | 118. | 118. | 467. | 467. | 18. | 3 | 86 | 30_50_6 | לנו | LNW | uns |
| 6. | 119. | 119. | 470. | 470. | 21. | 4 | 503 | 2_1_300_200 | באשר | BASR | um/durch wen |
| 7. | 120. | 120. | 474. | 474. | 25. | 3 | 80 | 30_40_10 | למי | LMJ | wessentwillen/von wem aus |
| 8. | 121. | 121. | 477. | 477. | 28. | 4 | 280 | 5_200_70_5 | הרעה | HRaH | das Unglück/das Unheil |
| 9. | 122. | 122. | 481. | 481. | 32. | 4 | 413 | 5_7_1_400 | הזאת | HZAT | diese(s) (da) |
| 10. | 123. | 123. | 485. | 485. | 36. | 3 | 86 | 30_50_6 | לנו | LNW | uns trifft/(stößt) zu uns |
| 11. | 124. | 124. | 488. | 488. | 39. | 2 | 45 | 40_5 | מה | MH | was (ist) |
| 12. | 125. | 125. | 490. | 490. | 41. | 6 | 511 | 40_30_1_20_400_20 | מלאכתך | MLAKTK | dein Geschäft/deine Arbeit |
| 13. | 126. | 126. | 496. | 496. | 47. | 5 | 107 | 6_40_1_10_50 | ומאיני | WMAJN | und (von) woher |
| 14. | 127. | 127. | 501. | 501. | 52. | 4 | 409 | 400_2_6_1 | תבוא | TBWA | du kommst |
| 15. | 128. | 128. | 505. | 505. | 56. | 2 | 45 | 40_5 | מה | MH | welches ist/was (ist) |
| 16. | 129. | 129. | 507. | 507. | 58. | 4 | 311 | 1_200_90_20 | ארצך | ARßK | dein Land |
| 17. | 130. | 130. | 511. | 511. | 62. | 3 | 17 | 6_1_10 | ואי | WAJ | und von/und wo |
| 18. | 131. | 131. | 514. | 514. | 65. | 3 | 52 | 40_7_5 | מזה | MZH | welchem/von diesem |
| 19. | 132. | 132. | 517. | 517. | 68. | 2 | 110 | 70_40 | עמ | aM | Volk |
| 20. | 133. | 133. | 519. | 519. | 70. | 3 | 406 | 1_400_5 | אתה | ATH | bist du/(stammst) du |

Ende des Verses 1.8

Verse: 8, Buchstaben: 72, 521, 521, Totalwerte: 3849, 27887, 27887

Da sprachen sie zu ihm: Tue uns doch kund, um wessentwillen dieses Unglück uns trifft! Was ist dein Geschäft, und woher kommst du?
Welches ist dein Land, und von welchem Volke bist du?

– 1.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 134. | 134. | 522. | 522. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er sprach |
| 2. | 135. | 135. | 527. | 527. | 6. | 5 | 86 | 1_30_10_5_40 | אליהם | ALJHM | zu ihnen |
| 3. | 136. | 136. | 532. | 532. | 11. | 4 | 282 | 70_2_200_10 | עברי | aBRJ | (ein) Hebräer/// <der Jenseitige> |
| 4. | 137. | 137. | 536. | 536. | 15. | 4 | 81 | 1_50_20_10 | אנכי | ANKJ | (bin) ich |
| 5. | 138. | 138. | 540. | 540. | 19. | 3 | 407 | 6_1_400 | ואת | WAT | und ** |
| 6. | 139. | 139. | 543. | 543. | 22. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 7. | 140. | 140. | 547. | 547. | 26. | 4 | 46 | 1_30_5_10 | אלהי | ALHJ | den Gott |
| 8. | 141. | 141. | 551. | 551. | 30. | 5 | 395 | 5_300_40_10_40 | השמיים | HSMJM | des Himmels/von den Himmeln |
| 9. | 142. | 142. | 556. | 556. | 35. | 3 | 61 | 1_50_10 | אני | ANJ | ich (bin) |
| 10. | 143. | 143. | 559. | 559. | 38. | 3 | 211 | 10_200_1 | ירא | JRA | fürchte/Fürchtender |
| 11. | 144. | 144. | 562. | 562. | 41. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | der/welcher |
| 12. | 145. | 145. | 565. | 565. | 44. | 3 | 375 | 70_300_5 | עשה | aSH | (er) hat gemacht |
| 13. | 146. | 146. | 568. | 568. | 47. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 14. | 147. | 147. | 570. | 570. | 49. | 3 | 55 | 5_10_40 | הים | HJM | das Meer |
| 15. | 148. | 148. | 573. | 573. | 52. | 3 | 407 | 6_1_400 | ואת | WAT | und ** |
| 16. | 149. | 149. | 576. | 576. | 55. | 5 | 322 | 5_10_2_300_5 | היבשה | HJBSH | das Trockene |

Ende des Verses 1.9

Verse: 9, Buchstaben: 59, 580, 580, Totalwerte: 3913, 31800, 31800

Und er sprach zu ihnen: Ich bin ein Hebräer; und ich fürchte Jahwe, den Gott des Himmels, der das Meer und das Trockene gemacht hat.

– 1.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 150. | 150. | 581. | 581. | 1. | 6 | 233 | 6_10_10_200_1_6 | וייראו | WJJRAW | da fürchteten sich/und sie (=es) fürchten |
| 2. | 151. | 151. | 587. | 587. | 7. | 6 | 406 | 5_1_50_300_10_40 | האנשים | HANSJM | die Männer |
| 3. | 152. | 152. | 593. | 593. | 13. | 4 | 216 | 10_200_1_5 | יראה | JRAH | mit Furcht/(in) Furcht |
| 4. | 153. | 153. | 597. | 597. | 17. | 5 | 48 | 3_4_6_30_5 | נדולה | GDWLH | große(r) |
| 5. | 154. | 154. | 602. | 602. | 22. | 6 | 263 | 6_10_1_40_200_6 | ויאמרו | WJAMRW | und sprachen/und sie sagten |
| 6. | 155. | 155. | 608. | 608. | 28. | 4 | 47 | 1_30_10_6 | אליו | ALJW | zu ihm |
| 7. | 156. | 156. | 612. | 612. | 32. | 2 | 45 | 40_5 | מה | MH | was/warum |
| 8. | 157. | 157. | 614. | 614. | 34. | 3 | 408 | 7_1_400 | זאת | ZAT | da/diese(s) |
| 9. | 158. | 158. | 617. | 617. | 37. | 4 | 780 | 70_300_10_400 | עשית | aSJT | hast du getan |
| 10. | 159. | 159. | 621. | 621. | 41. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 11. | 160. | 160. | 623. | 623. | 43. | 4 | 90 | 10_4_70_6 | ידעו | JDaW | (es) wussten/sie (=es) erkannten |
| 12. | 161. | 161. | 627. | 627. | 47. | 6 | 406 | 5_1_50_300_10_40 | האנשים | HANSJM | die Männer |
| 13. | 162. | 162. | 633. | 633. | 53. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | dass |
| 14. | 163. | 163. | 635. | 635. | 55. | 5 | 210 | 40_30_80_50_10 | מלפני | MLPNJ | hinweg vom Angesicht/von dem Antlitz |
| 15. | 164. | 164. | 640. | 640. | 60. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 16. | 165. | 165. | 644. | 644. | 64. | 3 | 12 | 5_6_1 | הוא | HWA | er |
| 17. | 166. | 166. | 647. | 647. | 67. | 3 | 210 | 2_200_8 | ברח | BRC | floh/fliehend(er) (war) |
| 18. | 167. | 167. | 650. | 650. | 70. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn/weil |
| 19. | 168. | 168. | 652. | 652. | 72. | 4 | 22 | 5_3_10_4 | הגיד | HGJD | er hatte es kundgetan/er (es) hatte erzählt |
| 20. | 169. | 169. | 656. | 656. | 76. | 3 | 75 | 30_5_40 | להם | LHM | (zu) ihnen |

Ende des Verses 1.10

Verse: 10, Buchstaben: 78, 658, 658, Totalwerte: 3587, 35387, 35387

Da fürchteten sich die Männer mit großer Furcht und sprachen zu ihm: Was hast du da getan! Denn die Männer wußten, daß er von dem Angesicht Jahwes hinwegfloh; denn er hatte es ihnen kundgetan.

– 1.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|---|
| 1. | 170. | 170. | 659. | 659. | 1. | 6 | 263 | 6_10_1_40_200_6 | ויאמרו | WJAMRW | und sie sprachen/und sie sagten |
| 2. | 171. | 171. | 665. | 665. | 7. | 4 | 47 | 1_30_10_6 | אליו | ALJW | zu ihm |
| 3. | 172. | 172. | 669. | 669. | 11. | 2 | 45 | 40_5 | מה | MH | was |
| 4. | 173. | 173. | 671. | 671. | 13. | 4 | 425 | 50_70_300_5 | נעשה | NaSH | sollen wir tun/wir sollen machen |
| 5. | 174. | 174. | 675. | 675. | 17. | 2 | 50 | 30_20 | לכ | LK | (mit) dir |
| 6. | 175. | 175. | 677. | 677. | 19. | 5 | 816 | 6_10_300_400_100 | וישתק | WJSTQ | damit sich beruhige/und er (=es) kommt zur Ruhe |
| 7. | 176. | 176. | 682. | 682. | 24. | 3 | 55 | 5_10_40 | הים | HJM | das Meer |
| 8. | 177. | 177. | 685. | 685. | 27. | 6 | 206 | 40_70_30_10_50_6 | מעלינו | MaLJNW | gegen uns/um uns herum |
| 9. | 178. | 178. | 691. | 691. | 33. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 10. | 179. | 179. | 693. | 693. | 35. | 3 | 55 | 5_10_40 | הים | HJM | das Meer |
| 11. | 180. | 180. | 696. | 696. | 38. | 4 | 61 | 5_6_30_20 | הולכ | HWLK | wurde immer/gehender |
| 12. | 181. | 181. | 700. | 700. | 42. | 4 | 336 | 6_60_70_200 | וסער | WsaR | stürmischer/und stürmender |

Ende des Verses 1.11

Verse: 11, Buchstaben: 45, 703, 703, Totalwerte: 2389, 37776, 37776

Und sie sprachen zu ihm: Was sollen wir dir tun, damit das Meer sich gegen uns beruhige? Denn das Meer wurde immer stürmischer.

– 1.12

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|-------------------|---------------|-----------|--|
| 1. | 182. | 182. | 704. | 704. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | וַיֹּאמֶר | WJAMR | und er sprach |
| 2. | 183. | 183. | 709. | 709. | 6. | 5 | 86 | 1_30_10_5_40 | אֲלֵיהֶם | ALJHM | zu ihnen |
| 3. | 184. | 184. | 714. | 714. | 11. | 5 | 367 | 300_1_6_50_10 | שֹׂאוּנִי | SAWNJ | nimmt mich/erhebt mich |
| 4. | 185. | 185. | 719. | 719. | 16. | 7 | 120 | 6_5_9_10_30_50_10 | וְהִטִּילֵנִי | WhtJLNJ | und werft mich |
| 5. | 186. | 186. | 726. | 726. | 23. | 2 | 31 | 1_30 | אֵל | AL | in |
| 6. | 187. | 187. | 728. | 728. | 25. | 3 | 55 | 5_10_40 | הַיָּם | HJM | das Meer |
| 7. | 188. | 188. | 731. | 731. | 28. | 5 | 816 | 6_10_300_400_100 | וַיִּשְׁתַּק | WJSTQ | so wird sich beruhigen/und er (=es) kommt zur Ruhe |
| 8. | 189. | 189. | 736. | 736. | 33. | 3 | 55 | 5_10_40 | הַיָּם | HJM | das Meer |
| 9. | 190. | 190. | 739. | 739. | 36. | 6 | 210 | 40_70_30_10_20_40 | מֵעֲלֵיכֶם | MaLJKM | gegen euch/um euch herum |
| 10. | 191. | 191. | 745. | 745. | 42. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי | KJ | denn |
| 11. | 192. | 192. | 747. | 747. | 44. | 4 | 90 | 10_6_4_70 | יֹדַע | JWDa | ich weiß/erkennend |
| 12. | 193. | 193. | 751. | 751. | 48. | 3 | 61 | 1_50_10 | אֲנִי | ANJ | /(bin) ich |
| 13. | 194. | 194. | 754. | 754. | 51. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי | KJ | dass |
| 14. | 195. | 195. | 756. | 756. | 53. | 4 | 342 | 2_300_30_10 | בְּשַׁלִּי | BSLJ | um meinetwillen/meinetwegen |
| 15. | 196. | 196. | 760. | 760. | 57. | 4 | 335 | 5_60_70_200 | הַסֶּעַר | HsaR | der Sturm |
| 16. | 197. | 197. | 764. | 764. | 61. | 5 | 48 | 5_3_4_6_30 | הַגָּדוֹל | HGDWL | große/der heftige |
| 17. | 198. | 198. | 769. | 769. | 66. | 3 | 17 | 5_7_5 | הַזֶּה | HZH | dieser (da) |
| 18. | 199. | 199. | 772. | 772. | 69. | 5 | 170 | 70_30_10_20_40 | עָלֵיכֶם | aLJKM | ist gekommen über euch/(kam) über euch |

Ende des Verses 1.12

Verse: 12, Buchstaben: 73, 776, 776, Totalwerte: 3120, 40896, 40896

Und er sprach zu ihnen: Nehmet mich und werfet mich ins Meer, so wird das Meer sich gegen euch beruhigen; denn ich weiß, daß dieser große Sturm um meinetwillen über euch gekommen ist.

– 1.13

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|---|
| 1. | 200. | 200. | 777. | 777. | 1. | 6 | 630 | 6_10.8_400_200_6 | ויהתרו | WJCTRW | und sie (=es) ruderten (hart) |
| 2. | 201. | 201. | 783. | 783. | 7. | 6 | 406 | 5_1_50_300_10_40 | האנשים | HANSJM | die Männer/die Mannen |
| 3. | 202. | 202. | 789. | 789. | 13. | 5 | 347 | 30_5_300_10_2 | להשיב | LHSJB | um zurückzuführen (das Schiff)/zurückzukehren |
| 4. | 203. | 203. | 794. | 794. | 18. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | an/zu |
| 5. | 204. | 204. | 796. | 796. | 20. | 5 | 322 | 5_10.2_300_5 | היבשה | HJBSh | das Land/das Trockene |
| 6. | 205. | 205. | 801. | 801. | 25. | 3 | 37 | 6_30.1 | ולא | WLA | aber nicht/jedoch nicht(s)//und nicht(s) |
| 7. | 206. | 206. | 804. | 804. | 28. | 4 | 66 | 10_20_30_6 | יכלו | JKLW | sie vermochten (es) |
| 8. | 207. | 207. | 808. | 808. | 32. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | weil/denn |
| 9. | 208. | 208. | 810. | 810. | 34. | 3 | 55 | 5_10.40 | הים | HJM | das Meer |
| 10. | 209. | 209. | 813. | 813. | 37. | 4 | 61 | 5_6_30_20 | הולכ | HWLK | immer/gehender |
| 11. | 210. | 210. | 817. | 817. | 41. | 4 | 336 | 6_60.70_200 | וסער | WsaR | stürmischer/und stürmender |
| 12. | 211. | 211. | 821. | 821. | 45. | 5 | 155 | 70_30_10.5_40 | עליהם | aLJHM | (wurde) gegen sie |

Ende des Verses 1.13

Verse: 13, Buchstaben: 49, 825, 825, Totalwerte: 2476, 43372, 43372

Und die Männer ruderten hart, um das Schiff ans Land zurückzuführen; aber sie vermochten es nicht, weil das Meer immer stürmischer gegen sie wurde.

– 1.14

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 212. | 212. | 826. | 826. | 1. | 6 | 323 | 6_10_100_200_1_6 | ויקראו | WJQRAW | da riefen sie/und sie riefen |
| 2. | 213. | 213. | 832. | 832. | 7. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 3. | 214. | 214. | 834. | 834. | 9. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 215. | 215. | 838. | 838. | 13. | 6 | 263 | 6_10_1_40_200_6 | ויאמרו | WJAMRW | und (sie) sprachen |
| 5. | 216. | 216. | 844. | 844. | 19. | 3 | 56 | 1_50_5 | אנה | ANH | ach |
| 6. | 217. | 217. | 847. | 847. | 22. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 7. | 218. | 218. | 851. | 851. | 26. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nicht |
| 8. | 219. | 219. | 853. | 853. | 28. | 2 | 51 | 50_1 | ןא | NA | doch |
| 9. | 220. | 220. | 855. | 855. | 30. | 5 | 62 | 50_1_2_4_5 | ןאבדה | NABDH | lass uns umkommen/wir mögen untergehen |
| 10. | 221. | 221. | 860. | 860. | 35. | 4 | 432 | 2_50_80_300 | בנפש | BNPS | um willen der Seele/um das Leben |
| 11. | 222. | 222. | 864. | 864. | 39. | 4 | 316 | 5_1_10_300 | האיש | HAJS | dieses Mannes |
| 12. | 223. | 223. | 868. | 868. | 43. | 3 | 17 | 5_7_5 | הזה | HZH | /dies(es) da |
| 13. | 224. | 224. | 871. | 871. | 46. | 3 | 37 | 6_1_30 | ואל | WAL | und nicht |
| 14. | 225. | 225. | 874. | 874. | 49. | 3 | 850 | 400_400_50 | תהנ | TTN | lege/bringe |
| 15. | 226. | 226. | 877. | 877. | 52. | 5 | 166 | 70_30_10_50_6 | עלינו | aLJNW | auf uns |
| 16. | 227. | 227. | 882. | 882. | 57. | 2 | 44 | 4_40 | דמ | DM | Blut |
| 17. | 228. | 228. | 884. | 884. | 59. | 4 | 161 | 50_100_10_1 | נקיא | NQJA | unschuldiges/(eines) Unschuldigen |
| 18. | 229. | 229. | 888. | 888. | 63. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 19. | 230. | 230. | 890. | 890. | 65. | 3 | 406 | 1_400_5 | אתה | ATH | du |
| 20. | 231. | 231. | 893. | 893. | 68. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 21. | 232. | 232. | 897. | 897. | 72. | 4 | 521 | 20_1_300_200 | ךאשר | KASR | wie |
| 22. | 233. | 233. | 901. | 901. | 76. | 4 | 578 | 8_80_90_400 | הפצת | CPBT | es dir gefallen hat/du gewollt |
| 23. | 234. | 234. | 905. | 905. | 80. | 4 | 780 | 70_300_10_400 | עשית | aSJT | hast du getan |

Ende des Verses 1.14

Verse: 14, Buchstaben: 83, 908, 908, Totalwerte: 5233, 48605, 48605

Da riefen sie zu Jahwe und sprachen: Ach, Jahwe! Laß uns doch nicht umkommen um der Seele dieses Mannes willen, und lege nicht unschuldiges Blut auf uns; denn du, Jahwe, hast getan, wie es dir gefallen hat.

– 1.15

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|------|------|------|------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 235. | 235. | 909. | 909. | 1. | 5 | 323 | 6_10_300_1_6 | וישאו | WJSAW | und sie nahmen/und sie hoben |
| 2. | 236. | 236. | 914. | 914. | 6. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 3. | 237. | 237. | 916. | 916. | 8. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה | JWNH | Jona |
| 4. | 238. | 238. | 920. | 920. | 12. | 6 | 66 | 6_10_9_30_5_6 | ויטלהו | WJtLHW | und (sie) warfen ihn |
| 5. | 239. | 239. | 926. | 926. | 18. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | in |
| 6. | 240. | 240. | 928. | 928. | 20. | 3 | 55 | 5_10_40 | הים | HJM | das Meer |
| 7. | 241. | 241. | 931. | 931. | 23. | 5 | 130 | 6_10_70_40_4 | ויעמד | WJaMD | da ließ ab/und er (=es) stand (ab) |
| 8. | 242. | 242. | 936. | 936. | 28. | 3 | 55 | 5_10_40 | הים | HJM | das Meer |
| 9. | 243. | 243. | 939. | 939. | 31. | 5 | 203 | 40_7_70_80_6 | סזעפו | MZaPW | von seinem Wüten |

Ende des Verses 1.15

Verse: 15, Buchstaben: 35, 943, 943, Totalwerte: 1335, 49940, 49940

Und sie nahmen Jona und warfen ihn ins Meer. Da ließ das Meer ab von seinem Wüten.

– 1.16

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|-----------------------------|
| 1. | 244. | 244. | 944. | 944. | 1. | 6 | 233 | 6_10_10_200_1_6 | וייראו | WJJRAW | und sie (=es) fürchten sich |
| 2. | 245. | 245. | 950. | 950. | 7. | 6 | 406 | 5_1_50_300_10_40 | האנשים | HANSJM | die Männer |
| 3. | 246. | 246. | 956. | 956. | 13. | 4 | 216 | 10_200_1_5 | יראה | JRAH | (mit) Furcht |
| 4. | 247. | 247. | 960. | 960. | 17. | 5 | 48 | 3_4_6_30_5 | גדולה | GDWLH | groß |
| 5. | 248. | 248. | 965. | 965. | 22. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | vor |
| 6. | 249. | 249. | 967. | 967. | 24. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 7. | 250. | 250. | 971. | 971. | 28. | 6 | 39 | 6_10_7_2_8_6 | ויזבחו | WJZBCW | und sie schlachteten |
| 8. | 251. | 251. | 977. | 977. | 34. | 3 | 17 | 7_2_8 | זבח | ZBC | (ein) Schlachtopfer |
| 9. | 252. | 252. | 980. | 980. | 37. | 5 | 56 | 30_10_5_6_5 | ליהוה | LJHWH | dem Jahwe/zu Ehren Jahwe(s) |
| 10. | 253. | 253. | 985. | 985. | 42. | 5 | 226 | 6_10_4_200_6 | וידרו | WJDRW | und taten/und sie gelobten |
| 11. | 254. | 254. | 990. | 990. | 47. | 5 | 304 | 50_4_200_10_40 | נדרימ | NDRJM | Gelübde/Gelöbnisse |

Ende des Verses 1.16

Verse: 16, Buchstaben: 51, 994, 994, Totalwerte: 1972, 51912, 51912

Und die Männer fürchteten sich vor Jahwe mit großer Furcht, und sie schlachteten Schlachtopfer und taten Gelübde dem Jahwe.

– 1.17 (2.1)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|-------|-------|-----|------|-----|----------------|-----------|-----------|---------------------------------------|
| 1. | 255. | 255. | 995. | 995. | 1. | 4 | 106 | 6_10_40_50 | וימנ | WJMN | und (es) bestellte/und er (=es) erkor |
| 2. | 256. | 256. | 999. | 999. | 5. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 257. | 257. | 1003. | 1003. | 9. | 2 | 7 | 4_3 | דג | DG | (einen) Fisch |
| 4. | 258. | 258. | 1005. | 1005. | 11. | 4 | 43 | 3_4_6_30 | גדול | GDWL | großen |
| 5. | 259. | 259. | 1009. | 1009. | 15. | 4 | 132 | 30_2_30_70 | לבלע | LBLa | (um) zu verschlingen |
| 6. | 260. | 260. | 1013. | 1013. | 19. | 2 | 401 | 1_400 | אה | AT | ** |
| 7. | 261. | 261. | 1015. | 1015. | 21. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה | JWNH | Jona |
| 8. | 262. | 262. | 1019. | 1019. | 25. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und er (=es) war |
| 9. | 263. | 263. | 1023. | 1023. | 29. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה | JWNH | Jona |
| 10. | 264. | 264. | 1027. | 1027. | 33. | 4 | 122 | 2_40_70_10 | במעו | BMaJ | im Bauch/in den Eingeweiden |
| 11. | 265. | 265. | 1031. | 1031. | 37. | 3 | 12 | 5_4_3 | הדג | HDG | des Fisches/vom Fisch |
| 12. | 266. | 266. | 1034. | 1034. | 40. | 4 | 635 | 300_30_300_5 | שלושה | SLSH | drei |
| 13. | 267. | 267. | 1038. | 1038. | 44. | 4 | 100 | 10_40_10_40 | ימימ | JMJM | Tage |
| 14. | 268. | 268. | 1042. | 1042. | 48. | 5 | 641 | 6_300_30_300_5 | ושלושה | WSLSH | und drei |
| 15. | 269. | 269. | 1047. | 1047. | 53. | 5 | 476 | 30_10_30_6_400 | לילות | LJLWT | Nächte |

Ende des Verses 1.17

Verse: 17, Buchstaben: 57, 1051, 1051, Totalwerte: 2874, 54786, 54786

Und Jahwe bestellte einen großen Fisch, um Jona zu verschlingen; und Jona war im Bauche des Fisches drei Tage und drei Nächte.

Ende des Kapitels 1

– 2.1 (2.2)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|------|-----|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|-------------------------------------|
| 1. | 1. | 270. | 1. | 1052. | 1. | 6 | 556 | 6_10_400_80_30_30 | וּיְהַפְּלֵל | WJTPLL | und (es) betete/und er (=es) flehte |
| 2. | 2. | 271. | 7. | 1058. | 7. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יֹנָה | JWNH | Jona |
| 3. | 3. | 272. | 11. | 1062. | 11. | 2 | 31 | 1_30 | אֵל | AL | zu |
| 4. | 4. | 273. | 13. | 1064. | 13. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe |
| 5. | 5. | 274. | 17. | 1068. | 17. | 5 | 52 | 1_30_5_10_6 | אֱלֹהָיו | ALHJW | seinem Gott |
| 6. | 6. | 275. | 22. | 1073. | 22. | 4 | 160 | 40_40_70_10 | מִמְעֵי | MMaJ | aus dem Bauch/aus den Eingeweiden |
| 7. | 7. | 276. | 26. | 1077. | 26. | 4 | 17 | 5_4_3_5 | הַדָּגָה | HDGH | des Fisches |

Ende des Verses 2.1

Verse: 18, Buchstaben: 29, 29, 1080, Totalwerte: 913, 913, 55699

Und Jona betete zu Jahwe, seinem Gott, aus dem Bauche des Fisches und sprach:

– 2.2 (2.3)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|-----|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|---|
| 1. | 8. | 277. | 30. | 1081. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und (er (=es)) sprach |
| 2. | 9. | 278. | 35. | 1086. | 6. | 5 | 711 | 100_200_1_400_10 | קראתי | QRATJ | ich rief |
| 3. | 10. | 279. | 40. | 1091. | 11. | 4 | 335 | 40_90_200_5 | מצרה | MßRH | aus (der) Bedrängnis/weil Bedrängnis |
| 4. | 11. | 280. | 44. | 1095. | 15. | 2 | 40 | 30_10 | לי | LJ | meiner/ist mir |
| 5. | 12. | 281. | 46. | 1097. | 17. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 6. | 13. | 282. | 48. | 1099. | 19. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 7. | 14. | 283. | 52. | 1103. | 23. | 6 | 196 | 6_10_70_50_50_10 | ויעניי | WJaNNJ | und er antwortete mir/und er erhörte mich |
| 8. | 15. | 284. | 58. | 1109. | 29. | 4 | 101 | 40_2_9_50 | סבטנ | MBtN | aus dem Schoß |
| 9. | 16. | 285. | 62. | 1113. | 33. | 4 | 337 | 300_1_6_30 | שאול | SAWL | des Scheols/der Unterwelt |
| 10. | 17. | 286. | 66. | 1117. | 37. | 5 | 786 | 300_6_70_400_10 | שועתי | SWaTJ | ich schrie (um Hilfe) |
| 11. | 18. | 287. | 71. | 1122. | 42. | 4 | 810 | 300_40_70_400 | שמעת | SMaT | du hörtest |
| 12. | 19. | 288. | 75. | 1126. | 46. | 4 | 146 | 100_6_30_10 | קולי | QWLJ | meine Stimme |

Ende des Verses 2.2

Verse: 19, Buchstaben: 49, 78, 1129, Totalwerte: 3776, 4689, 59475

Ich rief aus meiner Bedrängnis zu Jahwe, und er antwortete mir; ich schrie aus dem Schoße des Scheols, du hörtest meine Stimme.

– 2.3 (2.4)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|--------------------------|------------------|-----------|--|
| 1. | 20. | 289. | 79. | 1130. | 1. | 8 | 826 | 6_400_300_30_10_20_50_10 | והשליכני | WTSLJKNJ | denn du hattest mich geworfen/und du warfst mich |
| 2. | 21. | 290. | 87. | 1138. | 9. | 5 | 171 | 40_90_6_30_5 | מצולה | MßWLH | (in) die Tiefe |
| 3. | 22. | 291. | 92. | 1143. | 14. | 4 | 36 | 2_30_2_2 | בלבב | BLBB | ins Herz |
| 4. | 23. | 292. | 96. | 1147. | 18. | 4 | 100 | 10_40_10_40 | ימימ | JMJM | der Meere |
| 5. | 24. | 293. | 100. | 1151. | 22. | 4 | 261 | 6_50_5_200 | ונהר | WNHR | und der Strom/und (ein) Strom |
| 6. | 25. | 294. | 104. | 1155. | 26. | 6 | 134 | 10_60_2_2_50_10 | יסבבני | JsBBNJ | umschloss mich/er (=es) umgab mich |
| 7. | 26. | 295. | 110. | 1161. | 32. | 2 | 50 | 20_30 | ךל | KL | alle |
| 8. | 27. | 296. | 112. | 1163. | 34. | 6 | 572 | 40_300_2_200_10_20 | משברייכ | MSBRJK | deine Wogen/deine Brandungen |
| 9. | 28. | 297. | 118. | 1169. | 40. | 5 | 69 | 6_3_30_10_20 | וגליכ | WGLJK | und deine Wellen |
| 10. | 29. | 298. | 123. | 1174. | 45. | 3 | 110 | 70_30_10 | עלי | aLJ | über mich |
| 11. | 30. | 299. | 126. | 1177. | 48. | 4 | 278 | 70_2_200_6 | עברו | aBRW | fahren hin/sie gingen hin |

Ende des Verses 2.3

Verse: 20, Buchstaben: 51, 129, 1180, Totalwerte: 2607, 7296, 62082

Denn du hattest mich in die Tiefe, in das Herz der Meere geworfen, und der Strom umschloß mich; alle deine Wogen und deine Wellen fahren über mich hin.

– 2.4 (2.5)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|------------------|---|-----------------|
| 1. | 31. | 300. | 130. | 1181. | 1. | 4 | 67 | 6_1_50_10 | ואני WANJ | und ich | |
| 2. | 32. | 301. | 134. | 1185. | 5. | 5 | 651 | 1_40_200_400_10 | אמרתי AMRTJ | sprach/ich dachte | |
| 3. | 33. | 302. | 139. | 1190. | 10. | 6 | 963 | 50_3_200_300_400_10 | ונרשתי NGRSTJ | verstoßen bin ich/ich bin fortgetrieben | |
| 4. | 34. | 303. | 145. | 1196. | 16. | 4 | 97 | 40_50_3_4 | מנגד MNGD | aus/von gegenüber | |
| 5. | 35. | 304. | 149. | 1200. | 20. | 5 | 160 | 70_10_50_10_20 | עיניך aJNJK | deinen Augen | |
| 6. | 36. | 305. | 154. | 1205. | 25. | 2 | 21 | 1_20 | אך AK | dennoch/wie | |
| 7. | 37. | 306. | 156. | 1207. | 27. | 5 | 157 | 1_6_60_10_80 | אוסיפ AWsJP | werde ich wieder/werde ich fortfahren | |
| 8. | 38. | 307. | 161. | 1212. | 32. | 5 | 56 | 30_5_2_10_9 | להביט LHBjt | hinschauen/zu schauen | |
| 9. | 39. | 308. | 166. | 1217. | 37. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | nach/(hin) zu | |
| 10. | 40. | 309. | 168. | 1219. | 39. | 4 | 65 | 5_10_20_30 | היכל HJKL | dem Tempel | |
| 11. | 41. | 310. | 172. | 1223. | 43. | 4 | 424 | 100_4_300_20 | קדשך QDSK | deinem heiligen/deiner Heiligkeit | |

Ende des Verses 2.4

Verse: 21, Buchstaben: 46, 175, 1226, Totalwerte: 2692, 9988, 64774

Und ich sprach: Verstoßen bin ich aus deinen Augen; dennoch werde ich wieder hinschauen nach deinem heiligen Tempel.

– 2.5 (2.6)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|--|
| 1. | 42. | 311. | 176. | 1227. | 1. | 6 | 227 | 1_80_80_6_50_10 | אפפוני | APPWNJ | (es) umfingen mich/sie (=es) umdrängten mich |
| 2. | 43. | 312. | 182. | 1233. | 7. | 3 | 90 | 40_10_40 | סימ | MJM | Wasser |
| 3. | 44. | 313. | 185. | 1236. | 10. | 2 | 74 | 70_4 | עד | aD | bis an |
| 4. | 45. | 314. | 187. | 1238. | 12. | 3 | 430 | 50_80_300 | נפש | NPS | die Seele/das Leben |
| 5. | 46. | 315. | 190. | 1241. | 15. | 4 | 451 | 400_5_6_40 | תהומ | THWM | die Tiefe/Flut |
| 6. | 47. | 316. | 194. | 1245. | 19. | 6 | 134 | 10_60_2_2_50_10 | יסבבני | JsBBNJ | umschloss mich/er (=es) umgab mich |
| 7. | 48. | 317. | 200. | 1251. | 25. | 3 | 146 | 60_6_80 | סופ | sWP | das Meergras/Schilf(gras) |
| 8. | 49. | 318. | 203. | 1254. | 28. | 4 | 316 | 8_2_6_300 | חבוש | CBWS | schlang sich/gebunden |
| 9. | 50. | 319. | 207. | 1258. | 32. | 5 | 541 | 30_200_1_300_10 | לראשי | LRASJ | (um) mein Haupt |

Ende des Verses 2.5

Verse: 22, Buchstaben: 36, 211, 1262, Totalwerte: 2409, 12397, 67183

Die Wasser umfingen mich bis an die Seele, die Tiefe umschloß mich, das Meergras schlang sich um mein Haupt.

– 2.6 (2.7)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-----------------|------------------|-----------|---|
| 1. | 51. | 320. | 212. | 1263. | 1. | 5 | 232 | 30_100_90_2_10 | לקצבי | LQßBJ | zu den Gründen |
| 2. | 52. | 321. | 217. | 1268. | 6. | 4 | 255 | 5_200_10_40 | הרימ | HRJM | der Berge/(von) Berg(en) |
| 3. | 53. | 322. | 221. | 1272. | 10. | 5 | 624 | 10_200_4_400_10 | ירדתי | JRDTJ | ich fuhr hinab/ich sank |
| 4. | 54. | 323. | 226. | 1277. | 15. | 4 | 296 | 5_1_200_90 | הארצ | HARß | der Erde/die Erde |
| 5. | 55. | 324. | 230. | 1281. | 19. | 5 | 225 | 2_200_8_10_5 | ברחיה | BRCJH | (ihre) Riegel(Balken) |
| 6. | 56. | 325. | 235. | 1286. | 24. | 4 | 86 | 2_70_4_10 | בערי | BaDJ | waren hinter mir/um mich |
| 7. | 57. | 326. | 239. | 1290. | 28. | 5 | 176 | 30_70_6_30_40 | לעולם | LaWLM | auf ewig/für immer |
| 8. | 58. | 327. | 244. | 1295. | 33. | 4 | 506 | 6_400_70_30 | והעל | WTaL | da führtest du herauf/und du zogest empor |
| 9. | 59. | 328. | 248. | 1299. | 37. | 4 | 748 | 40_300_8_400 | משהח | MSCT | aus der Grube |
| 10. | 60. | 329. | 252. | 1303. | 41. | 3 | 28 | 8_10_10 | חיי | CJJ | mein Leben |
| 11. | 61. | 330. | 255. | 1306. | 44. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 12. | 62. | 331. | 259. | 1310. | 48. | 4 | 46 | 1_30_5_10 | אלהי | ALHJ | mein Gott |

Ende des Verses 2.6

Verse: 23, Buchstaben: 51, 262, 1313, Totalwerte: 3248, 15645, 70431

Ich fuhr hinab zu den Gründen der Berge; der Erde Riegel waren hinter mir auf ewig. Da führtest du mein Leben aus der Grube herauf, Jahwe, mein Gott.

– 2.7 (2.8)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 63. | 332. | 263. | 1314. | 1. | 6 | 566 | 2_5_400_70_9_80 | בהתעטפ | BHTatP | als verschmachtetete/beim Verzagen |
| 2. | 64. | 333. | 269. | 1320. | 7. | 3 | 110 | 70_30_10 | עלי | aLJ | in mir |
| 3. | 65. | 334. | 272. | 1323. | 10. | 4 | 440 | 50_80_300_10 | נפשי | NPSJ | meine Seele |
| 4. | 66. | 335. | 276. | 1327. | 14. | 2 | 401 | 1_400 | אה | AT | ** |
| 5. | 67. | 336. | 278. | 1329. | 16. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 6. | 68. | 337. | 282. | 1333. | 20. | 5 | 637 | 7_20_200_400_10 | זכרתי | ZKRTJ | ich gedachte |
| 7. | 69. | 338. | 287. | 1338. | 25. | 5 | 415 | 6_400_2_6_1 | והבוא | WTBWA | und (sie) (es) kam |
| 8. | 70. | 339. | 292. | 1343. | 30. | 4 | 61 | 1_30_10_20 | אליך | ALJK | zu dir |
| 9. | 71. | 340. | 296. | 1347. | 34. | 5 | 920 | 400_80_30_400_10 | הפלתי | TPLTJ | mein Gebet |
| 10. | 72. | 341. | 301. | 1352. | 39. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | in/(bis) zu |
| 11. | 73. | 342. | 303. | 1354. | 41. | 4 | 65 | 5_10_20_30 | היכל | HJKL | den Tempel/dem Tempel |
| 12. | 74. | 343. | 307. | 1358. | 45. | 4 | 424 | 100_4_300_20 | קדשך | QDSK | deinen heiligen/deiner Heiligkeit |

Ende des Verses 2.7

Verse: 24, Buchstaben: 48, 310, 1361, Totalwerte: 4096, 19741, 74527

Als meine Seele in mir verschmachtetete, gedachte ich Jahwes, und zu dir kam mein Gebet in deinen heiligen Tempel.

– 2.8 (2.9)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|------------------|-----------|--------------------------|
| 1. | 75. | 344. | 311. | 1362. | 1. | 6 | 630 | 40_300_40_200_10_40 | שמרימ | MSMRJM | die achten/Verehrende |
| 2. | 76. | 345. | 317. | 1368. | 7. | 4 | 47 | 5_2_30_10 | הבלי | HBLJ | auf Götzen/Nichtigkeiten |
| 3. | 77. | 346. | 321. | 1372. | 11. | 3 | 307 | 300_6_1 | שוא | SWA | nichtige/(von) Trug |
| 4. | 78. | 347. | 324. | 1375. | 14. | 4 | 112 | 8_60_4_40 | חסדמ | CsDM | ihre Gnade |
| 5. | 79. | 348. | 328. | 1379. | 18. | 5 | 95 | 10_70_7_2_6 | יעזבו | JaZBW | verlassen/sie geben auf |

Ende des Verses 2.8

Verse: 25, Buchstaben: 22, 332, 1383, Totalwerte: 1191, 20932, 75718

Die auf nichtige Götzen achten, verlassen ihre Gnade.

– 2.9 (2.10)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 80. | 349. | 333. | 1384. | 1. | 4 | 67 | 6_1_50_10 | ואני WANJ | | aber ich/und ich |
| 2. | 81. | 350. | 337. | 1388. | 5. | 4 | 138 | 2_100_6_30 | בקול BQWL | | mit (der) Stimme |
| 3. | 82. | 351. | 341. | 1392. | 9. | 4 | 415 | 400_6_4_5 | תודה TWDH | | des Lobes/des Dankes |
| 4. | 83. | 352. | 345. | 1396. | 13. | 5 | 23 | 1_7_2_8_5 | אזבחה AZBCH | | werde opfern/ich will opfern |
| 5. | 84. | 353. | 350. | 1401. | 18. | 2 | 50 | 30_20 | לך LK | | dir |
| 6. | 85. | 354. | 352. | 1403. | 20. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר ASR | | was |
| 7. | 86. | 355. | 355. | 1406. | 23. | 5 | 664 | 50_4_200_400_10 | נדרתי NDRTJ | | ich gelobt habe/ich gelobte |
| 8. | 87. | 356. | 360. | 1411. | 28. | 5 | 376 | 1_300_30_40_5 | אשלמה ASLMH | | werde ich bezahlen/ich will bezahlen |
| 9. | 88. | 357. | 365. | 1416. | 33. | 6 | 791 | 10_300_6_70_400_5 | ישועתה JSWaTH | | die Rettung/Hilfe |
| 10. | 89. | 358. | 371. | 1422. | 39. | 5 | 56 | 30_10_5_6_5 | ליהוה LJHWH | | ist bei Jahwe/(kam von) Jahwe |

Ende des Verses 2.9

Verse: 26, Buchstaben: 43, 375, 1426, Totalwerte: 3081, 24013, 78799

Ich aber werde dir opfern mit der Stimme des Lobes; was ich gelobt habe, werde ich bezahlen. Bei Jahwe ist die Rettung.

– 2.10 (2.11)

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|-------------------------------------|
| 1. | 90. | 359. | 376. | 1427. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und (es) befahl/und er (=es) sprach |
| 2. | 91. | 360. | 381. | 1432. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 92. | 361. | 385. | 1436. | 10. | 3 | 37 | 30_4_3 | לדג | LDG | (zu) dem Fisch |
| 4. | 93. | 362. | 388. | 1439. | 13. | 4 | 117 | 6_10_100_1 | ויקא | WJQA | und er spie |
| 5. | 94. | 363. | 392. | 1443. | 17. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 6. | 95. | 364. | 394. | 1445. | 19. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה | JWNH | Jona |
| 7. | 96. | 365. | 398. | 1449. | 23. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | an/auf |
| 8. | 97. | 366. | 400. | 1451. | 25. | 5 | 322 | 5_10_2_300_5 | היבשה | HJBSH | das Land aus/das Trockene |

Ende des Verses 2.10

Verse: 27, Buchstaben: 29, 404, 1455, Totalwerte: 1262, 25275, 80061

Und Jahwe befahl dem Fische, und er spie Jona an das Land aus.

Ende des Kapitels 2

– 3.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|------|-----|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 1. | 367. | 1. | 1456. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und (es) geschah/und er (=es) erging |
| 2. | 2. | 368. | 5. | 1460. | 5. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר | DBR | das Wort |
| 3. | 3. | 369. | 8. | 1463. | 8. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe(s) |
| 4. | 4. | 370. | 12. | 1467. | 12. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu/an |
| 5. | 5. | 371. | 14. | 1469. | 14. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה | JWNH | Jona |
| 6. | 6. | 372. | 18. | 1473. | 18. | 4 | 760 | 300_50_10_400 | שנית | SNJT | zum zweiten Mal/(ein) zweites (Mal) |
| 7. | 7. | 373. | 22. | 1477. | 22. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לאמר | LAMR | also/lautend |

Ende des Verses 3.1

Verse: 28, Buchstaben: 25, 25, 1480, Totalwerte: 1396, 1396, 81457

Und das Wort Jahwes geschah zum zweiten Male zu Jona also:

– 3.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|-----|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|-----------|----------------------------|
| 1. | 8. | 374. | 26. | 1481. | 1. | 3 | 146 | 100_6_40 | קום | QWM | mache dich auf/erhebe dich |
| 2. | 9. | 375. | 29. | 1484. | 4. | 2 | 50 | 30_20 | לכ | LK | gehe |
| 3. | 10. | 376. | 31. | 1486. | 6. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | nach |
| 4. | 11. | 377. | 33. | 1488. | 8. | 5 | 121 | 50_10_50_6_5 | נינה | NJNWH | Ninive |
| 5. | 12. | 378. | 38. | 1493. | 13. | 4 | 285 | 5_70_10_200 | העיר | HaJR | der Stadt/(in) die Stadt |
| 6. | 13. | 379. | 42. | 1497. | 17. | 6 | 53 | 5_3_4_6_30_5 | הגדולה | HGDWLH | großen/die große |
| 7. | 14. | 380. | 48. | 1503. | 23. | 4 | 307 | 6_100_200_1 | וקרא | WQRA | und rufe |
| 8. | 15. | 381. | 52. | 1507. | 27. | 4 | 46 | 1_30_10_5 | אליה | ALJH | (zu) ihr |
| 9. | 16. | 382. | 56. | 1511. | 31. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 10. | 17. | 383. | 58. | 1513. | 33. | 6 | 321 | 5_100_200_10_1_5 | הקריאה | HQRJAH | die Botschaft (aus) |
| 11. | 18. | 384. | 64. | 1519. | 39. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | die/welche |
| 12. | 19. | 385. | 67. | 1522. | 42. | 4 | 81 | 1_50_20_10 | אנכי | ANKJ | ich (bin) |
| 13. | 20. | 386. | 71. | 1526. | 46. | 3 | 206 | 4_2_200 | דבר | DBR | sagen werde/redend(er) |
| 14. | 21. | 387. | 74. | 1529. | 49. | 4 | 61 | 1_30_10_20 | אליכ | ALJK | (zu) dir |

Ende des Verses 3.2

Verse: 29, Buchstaben: 52, 77, 1532, Totalwerte: 2610, 4006, 84067

Mache dich auf, geh nach Ninive, der großen Stadt, und rufe ihr die Botschaft aus, die ich dir sagen werde.

– 3.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|------|-----------------|---------------|---|-----------------|
| 1. | 22. | 388. | 78. | 1533. | 1. | 4 | 156 | 6_10_100_40 | ויקם WJQM | da machte sich auf/und er (=es) stand auf | |
| 2. | 23. | 389. | 82. | 1537. | 5. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה JWNH | Jona | |
| 3. | 24. | 390. | 86. | 1541. | 9. | 4 | 66 | 6_10_30_20 | ויילכ WJLK | und er ging | |
| 4. | 25. | 391. | 90. | 1545. | 13. | 2 | 31 | 1_30 | אל AL | nach | |
| 5. | 26. | 392. | 92. | 1547. | 15. | 5 | 121 | 50_10_50_6_5 | ונינה NJNWH | Ninive | |
| 6. | 27. | 393. | 97. | 1552. | 20. | 4 | 226 | 20_4_2_200 | קדבר KDBR | nach dem Wort/gemäß dem Wort | |
| 7. | 28. | 394. | 101. | 1556. | 24. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe(s) | |
| 8. | 29. | 395. | 105. | 1560. | 28. | 6 | 127 | 6_50_10_50_6_5 | ונינה WNJNWH | aber Ninive/und Ninive | |
| 9. | 30. | 396. | 111. | 1566. | 34. | 4 | 420 | 5_10_400_5 | היתה HJTH | (sie) war | |
| 10. | 31. | 397. | 115. | 1570. | 38. | 3 | 280 | 70_10_200 | עיר aJR | (eine) Stadt | |
| 11. | 32. | 398. | 118. | 1573. | 41. | 5 | 48 | 3_4_6_30_5 | גדולה GDWLH | große | |
| 12. | 33. | 399. | 123. | 1578. | 46. | 6 | 116 | 30_1_30_5_10_40 | לאלהים LALHJM | außerordentlich/für Götter | |
| 13. | 34. | 400. | 129. | 1584. | 52. | 4 | 95 | 40_5_30_20 | מהלכ MHLK | von Reisen//Marsch | |
| 14. | 35. | 401. | 133. | 1588. | 56. | 4 | 1030 | 300_30_300_400 | שלשה SLST | (von) drei/in drei | |
| 15. | 36. | 402. | 137. | 1592. | 60. | 4 | 100 | 10_40_10_40 | ימים JMJM | Tage(n) | |

Ende des Verses 3.3

Verse: 30, Buchstaben: 63, 140, 1595, Totalwerte: 2913, 6919, 86980

Da machte sich Jona auf und ging nach Ninive, nach dem Worte Jahwes. Ninive war aber eine außerordentlich große Stadt von drei Tagereisen.

– 3.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|------------------|--------------------------------|-----------------|
| 1. | 37. | 403. | 141. | 1596. | 1. | 4 | 54 | 6_10_8_30 | ויהל WJCL | und er (=es) begann | |
| 2. | 38. | 404. | 145. | 1600. | 5. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | ינה JWNH | Jona | |
| 3. | 39. | 405. | 149. | 1604. | 9. | 4 | 39 | 30_2_6_1 | לבוא LBWA | (hinein) zu gehen | |
| 4. | 40. | 406. | 153. | 1608. | 13. | 4 | 282 | 2_70_10_200 | בעיר BaJR | in die Stadt | |
| 5. | 41. | 407. | 157. | 1612. | 17. | 4 | 95 | 40_5_30_20 | מהלכ MHLK | eine Reise/(einen) Marsch | |
| 6. | 42. | 408. | 161. | 1616. | 21. | 3 | 56 | 10_6_40 | יומ JWM | (von) Tag | |
| 7. | 43. | 409. | 164. | 1619. | 24. | 3 | 13 | 1_8_4 | אחד ACD | einem (weit) | |
| 8. | 44. | 410. | 167. | 1622. | 27. | 5 | 317 | 6_10_100_200_1 | ויקרא WJQRA | und er rief | |
| 9. | 45. | 411. | 172. | 1627. | 32. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר WJAMR | und (er) sprach | |
| 10. | 46. | 412. | 177. | 1632. | 37. | 3 | 80 | 70_6_4 | עוד aWD | noch | |
| 11. | 47. | 413. | 180. | 1635. | 40. | 6 | 323 | 1_200_2_70_10_40 | ארבעים ARBaJM | vierzig | |
| 12. | 48. | 414. | 186. | 1641. | 46. | 3 | 56 | 10_6_40 | יומ JWM | Tag(e) | |
| 13. | 49. | 415. | 189. | 1644. | 49. | 6 | 127 | 6_50_10_50_6_5 | ונינה WNJNWH | so ist Ninive/und Ninive | |
| 14. | 50. | 416. | 195. | 1650. | 55. | 5 | 555 | 50_5_80_20_400 | נהפכת NHPKT | umgekehrt/(ist eine) Zerstörte | |

Ende des Verses 3.4

Verse: 31, Buchstaben: 59, 199, 1654, Totalwerte: 2325, 9244, 89305

Und Jona begann in die Stadt hineinzugehen eine Tagereise weit, und er rief und sprach: Noch vierzig Tage, so ist Ninive umgekehrt!

– 3.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|-----------|-----------|-------------------------------------|
| 1. | 51. | 417. | 200. | 1655. | 1. | 7 | 123 | 6_10_1_40_10_50_6 | ויאמינו | WJAMJNW | und sie (=es) glaubten |
| 2. | 52. | 418. | 207. | 1662. | 8. | 4 | 361 | 1_50_300_10 | אנשי | ANSJ | die Leute/die Männer |
| 3. | 53. | 419. | 211. | 1666. | 12. | 5 | 121 | 50_10_50_6_5 | נינה | NJNWH | Ninives/(von) Ninive |
| 4. | 54. | 420. | 216. | 1671. | 17. | 6 | 88 | 2_1_30_5_10_40 | באלהימ | BALHJM | (an) Gott |
| 5. | 55. | 421. | 222. | 1677. | 23. | 6 | 323 | 6_10_100_200_1_6 | ויקראו | WJQRAW | und sie riefen (aus) |
| 6. | 56. | 422. | 228. | 1683. | 29. | 3 | 136 | 90_6_40 | יום | ßWM | ein Fasten |
| 7. | 57. | 423. | 231. | 1686. | 32. | 6 | 354 | 6_10_30_2_300_6 | וילבשו | WJLBSW | und kleideten sich/und sie zogen an |
| 8. | 58. | 424. | 237. | 1692. | 38. | 4 | 450 | 300_100_10_40 | שקימ | SQJM | in Sacktuch/Bußgewänder |
| 9. | 59. | 425. | 241. | 1696. | 42. | 6 | 123 | 40_3_4_6_30_40 | מגדולמ | MGDWLM | von ihrem Größten/vom Größten |
| 10. | 60. | 426. | 247. | 1702. | 48. | 3 | 80 | 6_70_4 | ועד | WaD | bis zu ihrem/und bis zum |
| 11. | 61. | 427. | 250. | 1705. | 51. | 4 | 199 | 100_9_50_40 | קטנמ | QtNM | Kleinsten |

Ende des Verses 3.5

Verse: 32, Buchstaben: 54, 253, 1708, Totalwerte: 2358, 11602, 91663

Und die Leute von Ninive glaubten Gott; und sie riefen ein Fasten aus und kleideten sich in Sacktuch, von ihrem Größten bis zu ihrem Kleinsten.

– 3.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|-----------|-----------|-------------------------------|
| 1. | 62. | 428. | 254. | 1709. | 1. | 4 | 89 | 6.10.3.70 | ויגע | WJGa | und er (=es) gelangte |
| 2. | 63. | 429. | 258. | 1713. | 5. | 4 | 211 | 5.4.2.200 | הדבר | HDBR | das Wort |
| 3. | 64. | 430. | 262. | 1717. | 9. | 2 | 31 | 1.30 | אל | AL | ** an/** zu |
| 4. | 65. | 431. | 264. | 1719. | 11. | 3 | 90 | 40.30.20 | מלכ | MLK | den König/dem König |
| 5. | 66. | 432. | 267. | 1722. | 14. | 5 | 121 | 50.10.50.6.5 | נינוה | NJNWH | (von) Ninive |
| 6. | 67. | 433. | 272. | 1727. | 19. | 4 | 156 | 6.10.100.40 | ויקמ | WJQM | und er stand auf |
| 7. | 68. | 434. | 276. | 1731. | 23. | 5 | 127 | 40.20.60.1.6 | מכסאו | MKsAW | von seinem Thron |
| 8. | 69. | 435. | 281. | 1736. | 28. | 5 | 288 | 6.10.70.2.200 | ויעבר | WJaBR | und legte ab/und er warf ab |
| 9. | 70. | 436. | 286. | 1741. | 33. | 5 | 611 | 1.4.200.400.6 | אדרתו | ADRTW | seinen (Pracht)Mantel |
| 10. | 71. | 437. | 291. | 1746. | 38. | 5 | 156 | 40.70.30.10.6 | מעליו | MaLJW | /von ihm |
| 11. | 72. | 438. | 296. | 1751. | 43. | 4 | 96 | 6.10.20.60 | ויכס | WJKs | und (er) hüllte sich (ein) |
| 12. | 73. | 439. | 300. | 1755. | 47. | 2 | 400 | 300.100 | שק | SQ | in Sacktuch/(in) Sack(gewand) |
| 13. | 74. | 440. | 302. | 1757. | 49. | 4 | 318 | 6.10.300.2 | וישב | WJSB | und (er) setzte sich |
| 14. | 75. | 441. | 306. | 1761. | 53. | 2 | 100 | 70.30 | על | aL | in |
| 15. | 76. | 442. | 308. | 1763. | 55. | 4 | 286 | 5.1.80.200 | האפר | HAPR | die Asche/den Staub |

Ende des Verses 3.6

Verse: 33, Buchstaben: 58, 311, 1766, Totalwerte: 3080, 14682, 94743

Und das Wort gelangte an den König von Ninive; und er stand von seinem Throne auf und legte seinen Mantel ab, und hüllte sich in Sacktuch und setzte sich in die Asche.

– 3.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|---------------------|--|-----------------|
| 1. | 77. | 443. | 312. | 1767. | 1. | 5 | 193 | 6_10_7_70_100 | וּיִצַק WJZaQ | und er ließ ausrufen/und er ließ (aus)schreien | |
| 2. | 78. | 444. | 317. | 1772. | 6. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | וַיֹּאמֶר WJAMR | und sagen/und man sage | |
| 3. | 79. | 445. | 322. | 1777. | 11. | 6 | 123 | 2_50_10_50_6_5 | בְּנִינֻה BNJNWH | in Ninive | |
| 4. | 80. | 446. | 328. | 1783. | 17. | 4 | 159 | 40_9_70_40 | מִטֶּמֶם MtaM | auf Befehl/auf Erlass | |
| 5. | 81. | 447. | 332. | 1787. | 21. | 4 | 95 | 5_40_30_20 | הַמֶּלֶךְ HMLK | des Königs | |
| 6. | 82. | 448. | 336. | 1791. | 25. | 6 | 59 | 6_3_4_30_10_6 | וְגִדְלֵיו WGD LJW | und seiner Großen | |
| 7. | 83. | 449. | 342. | 1797. | 31. | 4 | 271 | 30_1_40_200 | לֵאמֹר LAMR | /zu sagen | |
| 8. | 84. | 450. | 346. | 1801. | 35. | 4 | 50 | 5_1_4_40 | הָאָדָם HADM | Menschen/der Mensch | |
| 9. | 85. | 451. | 350. | 1805. | 39. | 6 | 63 | 6_5_2_5_40_5 | וְהַבְּהֵמָה WHBHMH | und (das) Vieh | |
| 10. | 86. | 452. | 356. | 1811. | 45. | 4 | 307 | 5_2_100_200 | הַבֶּקֶר HBQR | Rinder/das Großvieh | |
| 11. | 87. | 453. | 360. | 1815. | 49. | 5 | 152 | 6_5_90_1_50 | וְהַצֹּאן WHBAN | und (das) Kleinvieh | |
| 12. | 88. | 454. | 365. | 1820. | 54. | 2 | 31 | 1_30 | אֵל AL | nicht(s) | |
| 13. | 89. | 455. | 367. | 1822. | 56. | 5 | 135 | 10_9_70_40_6 | יִשְׁעֻמוּ JtaMW | sollen kosten/sie dürfen genießen | |
| 14. | 90. | 456. | 372. | 1827. | 61. | 5 | 92 | 40_1_6_40_5 | מֵאֹמָה MAWMH | gar/irgendetwas | |
| 15. | 91. | 457. | 377. | 1832. | 66. | 2 | 31 | 1_30 | אֵל AL | nicht(s) | |
| 16. | 92. | 458. | 379. | 1834. | 68. | 4 | 286 | 10_200_70_6 | יִרְעוּ JRaW | sie sollen weiden/sie dürfen weiden | |
| 17. | 93. | 459. | 383. | 1838. | 72. | 4 | 96 | 6_40_10_40 | וּמֵיַם WMJM | und Wasser | |
| 18. | 94. | 460. | 387. | 1842. | 76. | 2 | 31 | 1_30 | אֵל AL | nicht | |
| 19. | 95. | 461. | 389. | 1844. | 78. | 4 | 716 | 10_300_400_6 | יִשְׁתּוּ JSTW | (sie dürfen) trinken | |

Ende des Verses 3.7

Verse: 34, Buchstaben: 81, 392, 1847, Totalwerte: 3147, 17829, 97890

Und er ließ in Ninive, auf Befehl des Königs und seiner Großen, ausrufen und sagen: Menschen und Vieh, Rinder und Kleinvieh sollen gar nichts kosten, sie sollen nicht weiden und kein Wasser trinken;

– 3.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|-----------------------------|-----------|---|
| 1. | 96. | 462. | 393. | 1848. | 1. | 6 | 502 | 6.10.400.20.60.6 | וּיְהִיכֶסּוּ וּיְהִיכֶסּוּ | WJTKsW | und (es) sollen bedeckt sein/und sie (=es) sollen sich hüllen |
| 2. | 97. | 463. | 399. | 1854. | 7. | 4 | 450 | 300.100.10.40 | שָׂקִים | SQJM | mit Sacktuch/in Bußgewänder |
| 3. | 98. | 464. | 403. | 1858. | 11. | 4 | 50 | 5.1.4.40 | הָאָדָם | HADM | Menschen/der Mensch |
| 4. | 99. | 465. | 407. | 1862. | 15. | 6 | 63 | 6.5.2.5.40.5 | וְהַבְּהֵמָה | WHBHMH | und (das) Vieh |
| 5. | 100. | 466. | 413. | 1868. | 21. | 6 | 323 | 6.10.100.200.1.6 | וּיִקְרָאוּ וּיִקְרָאוּ | WJQRAW | und (sie) sollen rufen |
| 6. | 101. | 467. | 419. | 1874. | 27. | 2 | 31 | 1.30 | אֵל | AL | zu |
| 7. | 102. | 468. | 421. | 1876. | 29. | 5 | 86 | 1.30.5.10.40 | אֱלֹהִים | ALHJM | Gott |
| 8. | 103. | 469. | 426. | 1881. | 34. | 5 | 122 | 2.8.7.100.5 | בְּחֹזֶקָה | BCZQH | heftig/in Kraft |
| 9. | 104. | 470. | 431. | 1886. | 39. | 5 | 324 | 6.10.300.2.6 | וַיִּשְׁבוּ וַיִּשְׁבוּ | WJSBW | und sie sollen umkehren |
| 10. | 105. | 471. | 436. | 1891. | 44. | 3 | 311 | 1.10.300 | אִישׁ | AJS | ein jeder/Mann |
| 11. | 106. | 472. | 439. | 1894. | 47. | 5 | 270 | 40.4.200.20.6 | מִדְּרִכּוֹ | MDRKW | von seinem Weg |
| 12. | 107. | 473. | 444. | 1899. | 52. | 4 | 280 | 5.200.70.5 | הַרְעָה | HRaH | bösen/dem schlechten |
| 13. | 108. | 474. | 448. | 1903. | 56. | 3 | 96 | 6.40.50 | וּמִן | WMN | und von |
| 14. | 109. | 475. | 451. | 1906. | 59. | 4 | 113 | 5.8.40.60 | הַחַמָּס | HCMs | dem Unrecht |
| 15. | 110. | 476. | 455. | 1910. | 63. | 3 | 501 | 1.300.200 | אֲשֶׁר | ASR | das/welches |
| 16. | 111. | 477. | 458. | 1913. | 66. | 6 | 157 | 2.20.80.10.5.40 | בְּכַפְיָהֶם | BKPJHM | in ihren Händen ist/an ihren Händen |

Ende des Verses 3.8

Verse: 35, Buchstaben: 71, 463, 1918, Totalwerte: 3679, 21508, 101569

und Menschen und Vieh sollen mit Sacktuch bedeckt sein und sollen heftig zu Gott rufen; und sie sollen umkehren, ein jeder von seinem bösen Wege und von dem Unrecht, das in ihren Händen ist.

– 3.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|------------------|-----------|--|
| 1. | 112. | 478. | 464. | 1919. | 1. | 2 | 50 | 40_10 | מי | MJ | wer |
| 2. | 113. | 479. | 466. | 1921. | 3. | 4 | 90 | 10_6_4_70 | יודע | JWDa | weiß |
| 3. | 114. | 480. | 470. | 1925. | 7. | 4 | 318 | 10_300_6_2 | ישוב | JSWB | (es) möchte sich wenden/er (=es) kehrt um |
| 4. | 115. | 481. | 474. | 1929. | 11. | 4 | 104 | 6_50_8_40 | ונהמ | WNCM | und es sich gereuen lassen/und er (=es) bereut |
| 5. | 116. | 482. | 478. | 1933. | 15. | 6 | 91 | 5_1_30_5_10_40 | האלהימ | HALHJM | (der) Gott |
| 6. | 117. | 483. | 484. | 1939. | 21. | 3 | 308 | 6_300_2 | ושב | WSB | und umkehren/und er kehrt (um) |
| 7. | 118. | 484. | 487. | 1942. | 24. | 5 | 304 | 40_8_200_6_50 | סחרונ | MCRWN | von der Glut |
| 8. | 119. | 485. | 492. | 1947. | 29. | 3 | 87 | 1_80_6 | אפו | APW | seines Zorns |
| 9. | 120. | 486. | 495. | 1950. | 32. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | dass nicht |
| 10. | 121. | 487. | 498. | 1953. | 35. | 4 | 57 | 50_1_2_4 | ואבד | NABD | wir umkommen/wir gehen zugrunde |

Ende des Verses 3.9

Verse: 36, Buchstaben: 38, 501, 1956, Totalwerte: 1446, 22954, 103015

Wer weiß? Gott möchte sich wenden und es sich gereuen lassen, und umkehren von der Glut seines Zornes, daß wir nicht umkommen.

– 3.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|-------------------|------------------|-------------------------------------|-----------------|
| 1. | 122. | 488. | 502. | 1957. | 1. | 4 | 217 | 6.10.200.1 | וירא WJRA | und er (=es) sah | |
| 2. | 123. | 489. | 506. | 1961. | 5. | 6 | 91 | 5.1.30.5.10.40 | האלהים HALHJM | (der) Gott | |
| 3. | 124. | 490. | 512. | 1967. | 11. | 2 | 401 | 1.400 | את AT | ** | |
| 4. | 125. | 491. | 514. | 1969. | 13. | 6 | 465 | 40.70.300.10.5.40 | מעשיהם MaSJHM | ihre Werke/ihre Taten | |
| 5. | 126. | 492. | 520. | 1975. | 19. | 2 | 30 | 20.10 | כי KJ | dass | |
| 6. | 127. | 493. | 522. | 1977. | 21. | 3 | 308 | 300.2.6 | שבו SBW | sie umgekehrt waren/sie umkehrten | |
| 7. | 128. | 494. | 525. | 1980. | 24. | 5 | 304 | 40.4.200.20.40 | סדרכמ MDRKM | von ihrem Weg | |
| 8. | 129. | 495. | 530. | 1985. | 29. | 4 | 280 | 5.200.70.5 | הרעה HRaH | (dem) bösen | |
| 9. | 130. | 496. | 534. | 1989. | 33. | 5 | 114 | 6.10.50.8.40 | וינחמ WJNCM | und er (=es) ließ sich (es) gereuen | |
| 10. | 131. | 497. | 539. | 1994. | 38. | 6 | 91 | 5.1.30.5.10.40 | האלהים HALHJM | (der) Gott | |
| 11. | 132. | 498. | 545. | 2000. | 44. | 2 | 100 | 70.30 | על aL | /wegen | |
| 12. | 133. | 499. | 547. | 2002. | 46. | 4 | 280 | 5.200.70.5 | הרעה HRaH | des Übels/des Unheils | |
| 13. | 134. | 500. | 551. | 2006. | 50. | 3 | 501 | 1.300.200 | אשר ASR | wovon/welches | |
| 14. | 135. | 501. | 554. | 2009. | 53. | 3 | 206 | 4.2.200 | דבר DBR | er hatte geredet | |
| 15. | 136. | 502. | 557. | 2012. | 56. | 5 | 806 | 30.70.300.6.400 | לעשות LaSWT | dass er es tun wolle/zu tun | |
| 16. | 137. | 503. | 562. | 2017. | 61. | 3 | 75 | 30.5.40 | להם LHM | (an) ihnen | |
| 17. | 138. | 504. | 565. | 2020. | 64. | 3 | 37 | 6.30.1 | ולא WLA | und nicht | |
| 18. | 139. | 505. | 568. | 2023. | 67. | 3 | 375 | 70.300.5 | עשה aSH | (er) tat (es) | |

Ende des Verses 3.10

Verse: 37, Buchstaben: 69, 570, 2025, Totalwerte: 4681, 27635, 107696

Und Gott sah ihre Werke, daß sie von ihrem bösen Wege umgekehrt waren; und Gott ließ sich des Übels gereuen, wovon er geredet hatte, daß er es ihnen tun wolle, und tat es nicht.

Ende des Kapitels 3

– 4.1

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|----|------|-----|-------|-----|------|-----|-------------|------------------|-----------|--|
| 1. | 1. | 506. | 1. | 2026. | 1. | 4 | 286 | 6_10_200_70 | וירע | WJRa | und es verdross/und er (=es) war schlimm |
| 2. | 2. | 507. | 5. | 2030. | 5. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | für |
| 3. | 3. | 508. | 7. | 2032. | 7. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה | JWNH | Jona |
| 4. | 4. | 509. | 11. | 2036. | 11. | 3 | 275 | 200_70_5 | רעה | RaH | (eine) Schlechtigkeit |
| 5. | 5. | 510. | 14. | 2039. | 14. | 5 | 48 | 3_4_6_30_5 | גדולה | GDWLH | sehr/große |
| 6. | 6. | 511. | 19. | 2044. | 19. | 4 | 224 | 6_10_8_200 | ויהר | WJCR | und er wurde zornig/und er (=es) brannte |
| 7. | 7. | 512. | 23. | 2048. | 23. | 2 | 36 | 30_6 | לו | LW | in ihm |

Ende des Verses 4.1

Verse: 38, Buchstaben: 24, 24, 2049, Totalwerte: 971, 971, 108667

Und es verdroß Jona sehr, und er wurde zornig.

– 4.2

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|------|----------------------|---------------|-----------|------------------------------|
| 1. | 8. | 513. | 25. | 2050. | 1. | 6 | 556 | 6_10_400_80_30_30 | וַיְהַפֵּל | WJTPLL | und er betete |
| 2. | 9. | 514. | 31. | 2056. | 7. | 2 | 31 | 1_30 | אֵל | AL | zu |
| 3. | 10. | 515. | 33. | 2058. | 9. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe |
| 4. | 11. | 516. | 37. | 2062. | 13. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | וַיֹּאמֶר | WJAMR | und (er) sprach |
| 5. | 12. | 517. | 42. | 2067. | 18. | 3 | 56 | 1_50_5 | אָנָּה | ANH | ach |
| 6. | 13. | 518. | 45. | 2070. | 21. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יְהוָה | JHWH | Jahwe |
| 7. | 14. | 519. | 49. | 2074. | 25. | 4 | 42 | 5_30_6_1 | הַלּוֹא | HLWA | (etwa) nicht |
| 8. | 15. | 520. | 53. | 2078. | 29. | 2 | 12 | 7_5 | זֶה | ZH | das war |
| 9. | 16. | 521. | 55. | 2080. | 31. | 4 | 216 | 4_2_200_10 | דְּבַרִי | DBRJ | mein Wort/meine Rede |
| 10. | 17. | 522. | 59. | 2084. | 35. | 2 | 74 | 70_4 | עַד | aD | als noch/während |
| 11. | 18. | 523. | 61. | 2086. | 37. | 5 | 431 | 5_10_6_400_10 | הָיִיתִי | HJWTJ | ich war/meines Seins |
| 12. | 19. | 524. | 66. | 2091. | 42. | 2 | 100 | 70_30 | עַל | aL | in/auf |
| 13. | 20. | 525. | 68. | 2093. | 44. | 5 | 455 | 1_4_40_400_10 | אֶדְמָתִי | ADMTJ | meinem Land/meinem Boden |
| 14. | 21. | 526. | 73. | 2098. | 49. | 2 | 100 | 70_30 | עַל | aL | wegen |
| 15. | 22. | 527. | 75. | 2100. | 51. | 2 | 70 | 20_50 | כֵּן | KN | diesem |
| 16. | 23. | 528. | 77. | 2102. | 53. | 5 | 554 | 100_4_40_400_10 | קָדַמְתִּי | QDMTJ | ich kam zuvor/ich eilte |
| 17. | 24. | 529. | 82. | 2107. | 58. | 4 | 240 | 30_2_200_8 | לְבַרְחָה | LBRC | indem ich entfloh/zu fliehen |
| 18. | 25. | 530. | 86. | 2111. | 62. | 6 | 1215 | 400_200_300_10_300_5 | תַּרְשִׁישָׁה | TRSJSH | nach Tarsis/nach Tarschisch |
| 19. | 26. | 531. | 92. | 2117. | 68. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי | KJ | denn/weil |
| 20. | 27. | 532. | 94. | 2119. | 70. | 5 | 494 | 10_4_70_400_10 | יָדַעְתִּי | JDaTJ | ich wusste |
| 21. | 28. | 533. | 99. | 2124. | 75. | 2 | 30 | 20_10 | כִּי | KJ | dass |
| 22. | 29. | 534. | 101. | 2126. | 77. | 3 | 406 | 1_400_5 | אַתָּה | ATH | du |
| 23. | 30. | 535. | 104. | 2129. | 80. | 2 | 31 | 1_30 | אֵל | AL | (ein) Gott |
| 24. | 31. | 536. | 106. | 2131. | 82. | 4 | 114 | 8_50_6_50 | חַנּוּן | CNWN | gnädig(er) |
| 25. | 32. | 537. | 110. | 2135. | 86. | 5 | 260 | 6_200_8_6_40 | וְרַחוּמִי | WRCWM | und barmherzig(er) (bist) |

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|------|------|-----|------------|------------------|-----------|---|
| 26. | 33. | 538. | 115. | 2140. | 91. | 3 | 221 | 1_200_20 | אַרְכַּ | ARK | lang(sam) |
| 27. | 34. | 539. | 118. | 2143. | 94. | 4 | 131 | 1_80_10_40 | אַפִּימֹ | APJM | (zum) Zorn |
| 28. | 35. | 540. | 122. | 2147. | 98. | 3 | 208 | 6_200_2 | וּרְבַ | WRB | und groß an/und reich (an) |
| 29. | 36. | 541. | 125. | 2150. | 101. | 3 | 72 | 8_60_4 | חֶסֶד | CsD | Güte/Huld |
| 30. | 37. | 542. | 128. | 2153. | 104. | 4 | 104 | 6_50_8_40 | וְנַחֵם | WNCM | und der sich lässt gereuen/und bereuend(er) |
| 31. | 38. | 543. | 132. | 2157. | 108. | 2 | 100 | 70_30 | עַל | aL | /wegen |
| 32. | 39. | 544. | 134. | 2159. | 110. | 4 | 280 | 5_200_70_5 | הַרְעָה | HRaH | des Übels/des Unheils |

Ende des Verses 4.2

Verse: 39, Buchstaben: 113, 137, 2162, Totalwerte: 6942, 7913, 115609

Und er betete zu Jahwe und sprach: Ach, Jahwe! War das nicht mein Wort, als ich noch in meinem Lande war? Darum kam ich zuvor, indem ich nach Tarsis entflo; denn ich wußte, daß du ein gnädiger und barmherziger Gott bist, langsam zum Zorn und groß an Güte, und der sich des Übels gereuen läßt.

– 4.3

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|--------------|-----------|-----------|--------------------------------------|
| 1. | 40. | 545. | 138. | 2163. | 1. | 4 | 481 | 6_70_400_5 | ועתה | WaTH | und nun |
| 2. | 41. | 546. | 142. | 2167. | 5. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 42. | 547. | 146. | 2171. | 9. | 2 | 108 | 100_8 | קח | QC | nimm |
| 4. | 43. | 548. | 148. | 2173. | 11. | 2 | 51 | 50_1 | וא | NA | doch |
| 5. | 44. | 549. | 150. | 2175. | 13. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 6. | 45. | 550. | 152. | 2177. | 15. | 4 | 440 | 50_80_300_10 | נפשי | NPSJ | meine Seele |
| 7. | 46. | 551. | 156. | 2181. | 19. | 4 | 140 | 40_40_50_10 | ממני | MMNJ | von mir (weg) |
| 8. | 47. | 552. | 160. | 2185. | 23. | 2 | 30 | 20_10 | כי | KJ | denn |
| 9. | 48. | 553. | 162. | 2187. | 25. | 3 | 17 | 9_6_2 | טוב | tWB | es ist besser/er (=es) ist gut |
| 10. | 49. | 554. | 165. | 2190. | 28. | 4 | 456 | 40_6_400_10 | מותי | MWTJ | dass ich sterbe/mein Sterben |
| 11. | 50. | 555. | 169. | 2194. | 32. | 4 | 68 | 40_8_10_10 | מהי | MCJJ | als dass ich lebe/als das mein Leben |

Ende des Verses 4.3

Verse: 40, Buchstaben: 35, 172, 2197, Totalwerte: 2218, 10131, 117827

Und nun, Jahwe, nimm doch meine Seele von mir; denn es ist besser, daß ich sterbe, als daß ich lebe.

– 4.4

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|---------------|------------------|-----------|------------------------------------|
| 1. | 51. | 556. | 173. | 2198. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er (=es) sprach |
| 2. | 52. | 557. | 178. | 2203. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 53. | 558. | 182. | 2207. | 10. | 5 | 31 | 5_5_10_9_2 | הדיטב | HHJtB | ist es recht/etwa er (=es) ist gut |
| 4. | 54. | 559. | 187. | 2212. | 15. | 3 | 213 | 8_200_5 | חרה | CRH | dass zürnst/(wenn) er (=es) brennt |
| 5. | 55. | 560. | 190. | 2215. | 18. | 2 | 50 | 30_20 | לך | LK | du/in dir |

Ende des Verses 4.4

Verse: 41, Buchstaben: 19, 191, 2216, Totalwerte: 577, 10708, 118404

Und Jahwe sprach: Ist es recht, daß du zürnest?

– 4.5

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|----------------|-------------|--------------------------|-----------------|
| 1. | 56. | 561. | 192. | 2217. | 1. | 4 | 107 | 6_10_90_1 | ויצא WJßA | und er (=es) | ging hinaus |
| 2. | 57. | 562. | 196. | 2221. | 5. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה JWNH | Jona | |
| 3. | 58. | 563. | 200. | 2225. | 9. | 2 | 90 | 40_50 | מן MN | aus | |
| 4. | 59. | 564. | 202. | 2227. | 11. | 4 | 285 | 5_70_10_200 | העיר HaJR | der Stadt | |
| 5. | 60. | 565. | 206. | 2231. | 15. | 4 | 318 | 6_10_300_2 | וישב WJSB | und (er) | setzte sich |
| 6. | 61. | 566. | 210. | 2235. | 19. | 4 | 184 | 40_100_4_40 | מקדמ MQDM | gegen Osten/östlich | |
| 7. | 62. | 567. | 214. | 2239. | 23. | 4 | 310 | 30_70_10_200 | לעיר LaJR | (von) der Stadt | |
| 8. | 63. | 568. | 218. | 2243. | 27. | 4 | 386 | 6_10_70_300 | ויעש WJaS | und er machte | |
| 9. | 64. | 569. | 222. | 2247. | 31. | 2 | 36 | 30_6 | לו LW | sich | |
| 10. | 65. | 570. | 224. | 2249. | 33. | 2 | 340 | 300_40 | שמ SM | dasselbst/dort | |
| 11. | 66. | 571. | 226. | 2251. | 35. | 3 | 85 | 60_20_5 | סכה sKH | (eine) (Laub)Hütte | |
| 12. | 67. | 572. | 229. | 2254. | 38. | 4 | 318 | 6_10_300_2 | וישב WJSB | und er saß/und er weilte | |
| 13. | 68. | 573. | 233. | 2258. | 42. | 5 | 823 | 400_8_400_10_5 | תחתיה TCTJH | darunter/unter ihr | |
| 14. | 69. | 574. | 238. | 2263. | 47. | 3 | 122 | 2_90_30 | בצל BßL | im Schatten | |
| 15. | 70. | 575. | 241. | 2266. | 50. | 2 | 74 | 70_4 | עד aD | bis | |
| 16. | 71. | 576. | 243. | 2268. | 52. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר ASR | /dass | |
| 17. | 72. | 577. | 246. | 2271. | 55. | 4 | 216 | 10_200_1_5 | יראה JRAH | er sähe | |
| 18. | 73. | 578. | 250. | 2275. | 59. | 2 | 45 | 40_5 | מה MH | was | |
| 19. | 74. | 579. | 252. | 2277. | 61. | 4 | 30 | 10_5_10_5 | יהיה JHJH | geschehen würde/er (=es) | geschieht |
| 20. | 75. | 580. | 256. | 2281. | 65. | 4 | 282 | 2_70_10_200 | בעיר BaJR | mit der Stadt | |

Ende des Verses 4.5

Verse: 42, Buchstaben: 68, 259, 2284, Totalwerte: 4623, 15331, 123027

Und Jona ging aus der Stadt hinaus und setzte sich gegen Osten der Stadt. Und er machte sich daselbst eine Hütte; und er saß darunter im Schatten, bis er sähe, was mit der Stadt geschehen würde.

– 4.6

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|-----|------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|----------------|--------------------------------------|-----------------------------------|
| 1. | 76. | 581. | 260. | 2285. | 1. | 4 | 106 | 6_10_40_50 | וימנ WJMN | und er (=es) | bestellte |
| 2. | 77. | 582. | 264. | 2289. | 5. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה JHWH | Jahwe | |
| 3. | 78. | 583. | 268. | 2293. | 9. | 5 | 86 | 1_30_5_10_40 | אלהימ ALHJM | Gott | |
| 4. | 79. | 584. | 273. | 2298. | 14. | 6 | 276 | 100_10_100_10_6_50 | קיקיו QJQJWN | einen | Wunderbaum/(einen) Rizinusstrauch |
| 5. | 80. | 585. | 279. | 2304. | 20. | 4 | 116 | 6_10_70_30 | ויעל WJaL | und ließ ihn wachsen/und (d)er stieg | |
| 6. | 81. | 586. | 283. | 2308. | 24. | 3 | 140 | 40_70_30 | על MaL | empor/von auf | |
| 7. | 82. | 587. | 286. | 2311. | 27. | 5 | 101 | 30_10_6_50_5 | ליונה LJWNH | über Jona | |
| 8. | 83. | 588. | 291. | 2316. | 32. | 5 | 451 | 30_5_10_6_400 | להיות LHJWT | damit wäre/zu sein | |
| 9. | 84. | 589. | 296. | 2321. | 37. | 2 | 120 | 90_30 | צל βL | Schatten | |
| 10. | 85. | 590. | 298. | 2323. | 39. | 2 | 100 | 70_30 | על aL | über | |
| 11. | 86. | 591. | 300. | 2325. | 41. | 4 | 507 | 200_1_300_6 | ראשו RASW | seinem Haupt/seinem Kopf | |
| 12. | 87. | 592. | 304. | 2329. | 45. | 5 | 165 | 30_5_90_10_30 | להציל LHBJL | ((um) zu befreien | |
| 13. | 88. | 593. | 309. | 2334. | 50. | 2 | 36 | 30_6 | לו LW | ihn | |
| 14. | 89. | 594. | 311. | 2336. | 52. | 5 | 716 | 40_200_70_400_6 | ברעתו MRaTW | von seinem Mißmut/von seinem Übel | |
| 15. | 90. | 595. | 316. | 2341. | 57. | 5 | 364 | 6_10_300_40_8 | וישמח WJSMC | und er (=es) freute sich | |
| 16. | 91. | 596. | 321. | 2346. | 62. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה JWNH | Jona | |
| 17. | 92. | 597. | 325. | 2350. | 66. | 2 | 100 | 70_30 | על aL | über | |
| 18. | 93. | 598. | 327. | 2352. | 68. | 7 | 281 | 5_100_10_100_10_6_50 | הקיקיו HQJQJWN | den | Wunderbaum/(den) Rizinusstrauch |
| 19. | 94. | 599. | 334. | 2359. | 75. | 4 | 353 | 300_40_8_5 | שמחה SMCH | ((mit) Freude | |
| 20. | 95. | 600. | 338. | 2363. | 79. | 5 | 48 | 3_4_6_30_5 | גדולה GDWLH | große(r) | |

Ende des Verses 4.6

Verse: 43, Buchstaben: 83, 342, 2367, Totalwerte: 4163, 19494, 127190

Und Jahwe Gott bestellte einen Wunderbaum und ließ ihn über Jona emporwachsen, damit Schatten über seinem Haupte wäre, um ihn von seinem Mißmut zu befreien; und Jona freute sich über den Wunderbaum mit großer Freude. -

– 4.7

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 96. | 601. | 343. | 2368. | 1. | 4 | 106 | 6_10_40_50 | וימנ | WJMN | aber (es) bestellte/und er (=es) beordnete |
| 2. | 97. | 602. | 347. | 2372. | 5. | 6 | 91 | 5_1_30_5_10_40 | האלהימ | HALHJM | (der) Gott |
| 3. | 98. | 603. | 353. | 2378. | 11. | 5 | 906 | 400_6_30_70_400 | תולעת | TWLaT | einen Wurm/Gewürm |
| 4. | 99. | 604. | 358. | 2383. | 16. | 5 | 508 | 2_70_30_6_400 | בעלות | BaLWT | beim Aufgang/beim Heraufkommen |
| 5. | 100. | 605. | 363. | 2388. | 21. | 4 | 513 | 5_300_8_200 | השחר | HSCR | der Morgenröte |
| 6. | 101. | 606. | 367. | 2392. | 25. | 5 | 678 | 30_40_8_200_400 | למחרת | LMCRT | am folgenden Morgen |
| 7. | 102. | 607. | 372. | 2397. | 30. | 3 | 426 | 6_400_20 | ותכ | WTK | und dieser stach/und er (=es) stach |
| 8. | 103. | 608. | 375. | 2400. | 33. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 9. | 104. | 609. | 377. | 2402. | 35. | 7 | 281 | 5_100_10_100_10_6_50 | הקיקיו | HQJQJWN | den Wunderbaum/(den) Rizinus- strauch |
| 10. | 105. | 610. | 384. | 2409. | 42. | 5 | 328 | 6_10_10_2_300 | וייבש | WJJBS | dass er verdorrte/und er verdorrte |

Ende des Verses 4.7

Verse: 44, Buchstaben: 46, 388, 2413, Totalwerte: 4238, 23732, 131428

Aber Gott bestellte einen Wurm am folgenden Tage, beim Aufgang der Morgenröte; und dieser stach den Wunderbaum, daß er verdorrte.

– 4.8

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | <i>Grundtext</i> | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|---------------------|------------------|-----------|---|
| 1. | 106. | 611. | 389. | 2414. | 1. | 4 | 31 | 6_10_5_10 | ויהי | WJHJ | und er (=es) geschah |
| 2. | 107. | 612. | 393. | 2418. | 5. | 4 | 235 | 20_7_200_8 | קורח | KZRC | als aufging/beim Aufgehen |
| 3. | 108. | 613. | 397. | 2422. | 9. | 4 | 645 | 5_300_40_300 | השמש | HSMS | die Sonne/der Sonne |
| 4. | 109. | 614. | 401. | 2426. | 13. | 4 | 106 | 6_10_40_50 | וימנ | WJMN | da bestellte/und er (=es) beordnete |
| 5. | 110. | 615. | 405. | 2430. | 17. | 5 | 86 | 1_30_5_10_40 | אלהים | ALHJM | Gott |
| 6. | 111. | 616. | 410. | 2435. | 22. | 3 | 214 | 200_6_8 | רוח | RWC | (einen) Wind |
| 7. | 112. | 617. | 413. | 2438. | 25. | 4 | 154 | 100_4_10_40 | קרימ | QDJM | (von) Ost(en) |
| 8. | 113. | 618. | 417. | 2442. | 29. | 6 | 928 | 8_200_10_300_10_400 | חרישית | CRJSJT | schwülen/sengend(en) |
| 9. | 114. | 619. | 423. | 2448. | 35. | 3 | 426 | 6_400_20 | ותכ | WTK | und er (=es) stach |
| 10. | 115. | 620. | 426. | 2451. | 38. | 4 | 645 | 5_300_40_300 | השמש | HSMS | die Sonne |
| 11. | 116. | 621. | 430. | 2455. | 42. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | auf |
| 12. | 117. | 622. | 432. | 2457. | 44. | 3 | 501 | 200_1_300 | ראש | RAS | das Haupt/den Kopf |
| 13. | 118. | 623. | 435. | 2460. | 47. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה | JWNH | Jona(s) |
| 14. | 119. | 624. | 439. | 2464. | 51. | 6 | 596 | 6_10_400_70_30_80 | ויתעלפ | WJTaLP | dass er ermattet niedersank/und er wurde ohnmächtig |
| 15. | 120. | 625. | 445. | 2470. | 57. | 5 | 347 | 6_10_300_1_30 | וישאל | WJSAL | und er begehrte/und er wünschte |
| 16. | 121. | 626. | 450. | 2475. | 62. | 2 | 401 | 1_400 | את | AT | ** |
| 17. | 122. | 627. | 452. | 2477. | 64. | 4 | 436 | 50_80_300_6 | נפשו | NPSW | (dass) seine(r) Seele |
| 18. | 123. | 628. | 456. | 2481. | 68. | 4 | 476 | 30_40_6_400 | למות | LMWT | stürbe/zu sterben |
| 19. | 124. | 629. | 460. | 2485. | 72. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und sprach/und (er) sagte |
| 20. | 125. | 630. | 465. | 2490. | 77. | 3 | 17 | 9_6_2 | טוב | tWB | es ist besser |
| 21. | 126. | 631. | 468. | 2493. | 80. | 4 | 456 | 40_6_400_10 | מותי | MWTJ | dass ich sterbe/mein Sterben |
| 22. | 127. | 632. | 472. | 2497. | 84. | 4 | 68 | 40_8_10_10 | מהיי | MCJJ | als dass ich lebe/als mein Leben |

Ende des Verses 4.8

Verse: 45, Buchstaben: 87, 475, 2500, Totalwerte: 7196, 30928, 138624

Und es geschah, als die Sonne aufging, da bestellte Gott einen schwülen Ostwind; und die Sonne stach Jona aufs Haupt, daß er ermattet niedersank. Und er begehrte, daß seine Seele stürbe, und sprach: Es ist besser, daß ich sterbe, als daß ich lebe.

– 4.9

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------|-----------|--|
| 1. | 128. | 633. | 476. | 2501. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er (=es) sprach |
| 2. | 129. | 634. | 481. | 2506. | 6. | 5 | 86 | 1_30_5_10_40 | אלהים | ALHJM | Gott |
| 3. | 130. | 635. | 486. | 2511. | 11. | 2 | 31 | 1_30 | אל | AL | zu |
| 4. | 131. | 636. | 488. | 2513. | 13. | 4 | 71 | 10_6_50_5 | יונה | JWNH | Jona |
| 5. | 132. | 637. | 492. | 2517. | 17. | 5 | 31 | 5_5_10_9_2 | הדיטב | HHJtB | ist es recht/etwa er (=es) macht gut |
| 6. | 133. | 638. | 497. | 2522. | 22. | 3 | 213 | 8_200_5 | חרה | CRH | dass zürnst/(wenn) er (=es) brennt |
| 7. | 134. | 639. | 500. | 2525. | 25. | 2 | 50 | 30_20 | לכ | LK | du/in dir |
| 8. | 135. | 640. | 502. | 2527. | 27. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | wegen |
| 9. | 136. | 641. | 504. | 2529. | 29. | 7 | 281 | 5_100_10_100_10_6_50 | הקיקיו | HQJQJWN | des Wunderbaums/(des) Rizinus- strauchs |
| 10. | 137. | 642. | 511. | 2536. | 36. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er sprach |
| 11. | 138. | 643. | 516. | 2541. | 41. | 4 | 26 | 5_10_9_2 | היטב | HJtB | mit Recht/er (=es) macht gut |
| 12. | 139. | 644. | 520. | 2545. | 45. | 3 | 213 | 8_200_5 | חרה | CRH | zürne/(wenn) er (=es) brennt |
| 13. | 140. | 645. | 523. | 2548. | 48. | 2 | 40 | 30_10 | לי | LJ | ich/in mir |
| 14. | 141. | 646. | 525. | 2550. | 50. | 2 | 74 | 70_4 | עד | aD | bis zum |
| 15. | 142. | 647. | 527. | 2552. | 52. | 3 | 446 | 40_6_400 | סוה | MWT | Tod |

Ende des Verses 4.9

Verse: 46, Buchstaben: 54, 529, 2554, Totalwerte: 2176, 33104, 140800

Und Gott sprach zu Jona: Ich es recht, daß du wegen des Wunderbaumes zürnest? Und er sprach: Mit Recht zürne ich bis zum Tode!

– 4.10

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|----------------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 143. | 648. | 530. | 2555. | 1. | 5 | 257 | 6_10_1_40_200 | ויאמר | WJAMR | und er (=es) sprach |
| 2. | 144. | 649. | 535. | 2560. | 6. | 4 | 26 | 10_5_6_5 | יהוה | JHWH | Jahwe |
| 3. | 145. | 650. | 539. | 2564. | 10. | 3 | 406 | 1_400_5 | אתה | ATH | du |
| 4. | 146. | 651. | 542. | 2567. | 13. | 3 | 468 | 8_60_400 | חסת | CsT | erbarmst dich/du bist betrübt |
| 5. | 147. | 652. | 545. | 2570. | 16. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | /wegen |
| 6. | 148. | 653. | 547. | 2572. | 18. | 7 | 281 | 5_100_10_100_10_6_50 | הקיקיו | HQJQJWN | des Wunderbaums/(des) Rizinusstrauchs |
| 7. | 149. | 654. | 554. | 2579. | 25. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | um welchen/welcher |
| 8. | 150. | 655. | 557. | 2582. | 28. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 9. | 151. | 656. | 559. | 2584. | 30. | 4 | 540 | 70_40_30_400 | עמלה | aMLT | du dich gemüht/du mühtest dich |
| 10. | 152. | 657. | 563. | 2588. | 34. | 2 | 8 | 2_6 | בו | BW | /um ihn |
| 11. | 153. | 658. | 565. | 2590. | 36. | 3 | 37 | 6_30_1 | ולא | WLA | und nicht |
| 12. | 154. | 659. | 568. | 2593. | 39. | 5 | 443 | 3_4_30_400_6 | גדלתו | GDLTW | den du großgezogen hast/du zogst ihn groß |
| 13. | 155. | 660. | 573. | 2598. | 44. | 3 | 352 | 300_2_50 | שבנ | SBN | der als Sohn/welcher über |
| 14. | 156. | 661. | 576. | 2601. | 47. | 4 | 75 | 30_10_30_5 | לילה | LJLH | (einer) Nacht |
| 15. | 157. | 662. | 580. | 2605. | 51. | 3 | 20 | 5_10_5 | היה | HJH | entstand/er ward |
| 16. | 158. | 663. | 583. | 2608. | 54. | 3 | 58 | 6_2_50 | ובנ | WBN | und als Sohn/und über |
| 17. | 159. | 664. | 586. | 2611. | 57. | 4 | 75 | 30_10_30_5 | לילה | LJLH | (einer) Nacht |
| 18. | 160. | 665. | 590. | 2615. | 61. | 3 | 7 | 1_2_4 | אבר | ABD | zu Grunde ging/er verging |

Ende des Verses 4.10

Verse: 47, Buchstaben: 63, 592, 2617, Totalwerte: 3685, 36789, 144485

Und Jahwe sprach: Du erbarmst dich des Wunderbaumes, um welchen du dich nicht gemüht und den du nicht großgezogen hast, der als Sohn einer Nacht entstand und als Sohn einer Nacht zu Grunde ging;

– 4.11

| WV | WK | WB | ABK | ABB | ABV | AnzB | TW | Zahlencode | Grundtext | Umschrift | Übersetzung(en) |
|-----|------|------|------|-------|-----|------|-----|------------------|-----------|-----------|---|
| 1. | 161. | 666. | 593. | 2618. | 1. | 4 | 67 | 6_1_50_10 | ואני | WANJ | und ich |
| 2. | 162. | 667. | 597. | 2622. | 5. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 3. | 163. | 668. | 599. | 2624. | 7. | 4 | 75 | 1_8_6_60 | אחוס | ACWs | sollte mich erbarmen/ich sollte Schonung üben |
| 4. | 164. | 669. | 603. | 2628. | 11. | 2 | 100 | 70_30 | על | aL | /an |
| 5. | 165. | 670. | 605. | 2630. | 13. | 5 | 121 | 50_10_50_6_5 | נינה | NJNWH | Ninive(s) |
| 6. | 166. | 671. | 610. | 2635. | 18. | 4 | 285 | 5_70_10_200 | העיר | HaJR | der Stadt |
| 7. | 167. | 672. | 614. | 2639. | 22. | 6 | 53 | 5_3_4_6_30_5 | הגדולה | HGDWLH | ((der) großen |
| 8. | 168. | 673. | 620. | 2645. | 28. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | ((in) welche(r) |
| 9. | 169. | 674. | 623. | 2648. | 31. | 2 | 310 | 10_300 | יש | JS | sind/es gibt |
| 10. | 170. | 675. | 625. | 2650. | 33. | 2 | 7 | 2_5 | בה | BH | /darin |
| 11. | 171. | 676. | 627. | 2652. | 35. | 4 | 212 | 5_200_2_5 | הרבה | HRBH | /ein Vieles |
| 12. | 172. | 677. | 631. | 2656. | 39. | 5 | 790 | 40_300_400_10_40 | משתים | MSTJM | mehr als zwei |
| 13. | 173. | 678. | 636. | 2661. | 44. | 4 | 575 | 70_300_200_5 | עשרה | aSRH | zehn |
| 14. | 174. | 679. | 640. | 2665. | 48. | 3 | 208 | 200_2_6 | רבו | RBW | zehntausend |
| 15. | 175. | 680. | 643. | 2668. | 51. | 3 | 45 | 1_4_40 | אדם | ADM | Menschen |
| 16. | 176. | 681. | 646. | 2671. | 54. | 3 | 501 | 1_300_200 | אשר | ASR | die/welche |
| 17. | 177. | 682. | 649. | 2674. | 57. | 2 | 31 | 30_1 | לא | LA | nicht |
| 18. | 178. | 683. | 651. | 2676. | 59. | 3 | 84 | 10_4_70 | ירע | JDa | zu unterscheiden wissen/können unterscheiden |
| 19. | 179. | 684. | 654. | 2679. | 62. | 3 | 62 | 2_10_50 | בין | BJN | zwischen |
| 20. | 180. | 685. | 657. | 2682. | 65. | 5 | 116 | 10_40_10_50_6 | ימינו | JMJNW | ihrer Rechten/rechts |
| 21. | 181. | 686. | 662. | 2687. | 70. | 6 | 407 | 30_300_40_1_30_6 | לשמאלו | LSMALW | und ihrer Linken/und links |
| 22. | 182. | 687. | 668. | 2693. | 76. | 5 | 58 | 6_2_5_40_5 | ובהמה | WBHMH | und Vieh |
| 23. | 183. | 688. | 673. | 2698. | 81. | 3 | 207 | 200_2_5 | רבה | RBH | eine Menge/viel(es) |

Ende des Verses 4.11

Verse: 48, Buchstaben: 83, 675, 2700, Totalwerte: 4846, 41635, 149331

und ich sollte mich Ninives, der großen Stadt, nicht erbarmen, in welcher mehr als hundertundzwanzigtausend Menschen sind, die nicht zu unterscheiden wissen zwischen ihrer Rechten und ihrer Linken, und eine Menge Vieh?

Ende des Kapitels 4

Ende des Buches